mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-25 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
25 जनवरी 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रमंडल खेल 2026...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

डोनाल्ड ट्रंप के दावे की रूस ने उड़ाई खिल्ली

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को खारिज करते हुए जोर देकर कहा कि वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट आने से यूक्रेन युद्ध का अंत करने में कोई मदद नहीं मिल सकती। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच के वार्षिक कार्यक्रम को 'व्हाइट हाउस' से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित किया था। अपने संबंधन में

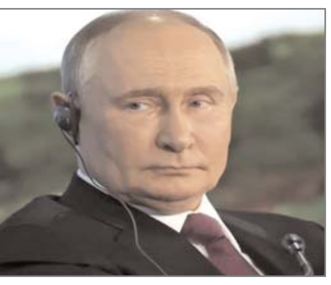

ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा था कि यूक्रेन में लगभग तीन साल से जारी युद्ध के लिए तेल निर्यातक देशों का गठबंधन ओपेक जिम्मेदार है क्योंकि इसने तेल की कीमतें बहुत अधिक रखी हैं। ट्रंप ने कहा था, ''अगर कीमत कम हो गई तो रूस-यूक्रेन युद्ध तुरंत खत्म हो जाएगा।'' ईंधन की बिक्री का रूस की कमाई में बड़ा योगदान है। ट्रंप की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति का कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने जवाब दिया है। पेसकोव ने कहा कि यूक्रेनी संघर्ष रूसी सुरक्षा हितों को ध्यान में रखने से पश्चिम के इनकार के कारण शुरू हुआ। पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा, ''युद्ध तेल की कीमतों पर निर्भर नहीं करता। रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरे, उन क्षेत्रों में रहने वाले रूसियों के लिए उत्पन्न खतरे और अमेरिकियों और यूरोपीय लोगों द्वारा रूस की सुरक्षा चिंताओं पर गौर करने से इनकार करने के कारण यह संघर्ष जारी है। इसका तेल की कीमतों से कोई लेना-देना नहीं है।''

आतंकवाद के मुद्दे पर भारत ने पाकिस्तान को धो डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीकली मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कई मुद्दों पर जवाब दिया है। आतंकवाद को लेकर जायसवाल ने कहा, ÷पूरी दुनिया जानती है कि आतंकवाद को कौन बढ़ावा दे रहा है। भारत में जब आतंकवाद से संबंधित हमले होते हैं, तो यह कहां से आ रहा है, हम सभी सीमा पार आतंकवाद की उत्पत्ति और जड़ को समझते हैं। हर कोई जानता है

कि ऐसे लोग और ऐसे देश हैं, जो सीमा पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार हैं, और हम पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने का आह्वान करते हैं। अमेरिका में नई इमिग्रेशन पॉलिसी लागू कर दी गई है। इसे लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ÷हम अवैध आव्रजन के खिलाफ हैं। यह संगठित अपराध के कई रूपों से जुड़ा हुआ है। केवल अमेरिका में ही नहीं, बल्कि दुनिया में कहीं भी रहने वाले भारतीय अगर निर्धारित समय से अधिक समय तक किसी देश में रह रहे हैं, या वो उचित दस्तावेजों के बिना किसी देश में हैं, तो हम उन्हें वापस ले लेंगे। बांग्लादेश को लेकर रणधीर जायसवाल ने कहा, ÷भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा पर बाड़ लगाने के लिए कई समझौते हुए हैं। सीमा पर बाड़ लगाना इसलिए जरूरी है ताकि अपराध संबंधी घटनाओं को रोका जा सके। बाड़ की गतिविधि दोनों देशों के बीच समझौते के अनुसार ही हो रही है, समझौते को लागू करने के लिए दोनों देशों को एक साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहिए।

'दिल्ली की सत्ता में आए तो पूर्वांचल के लोगों के लिए बनाएंगे अलग मंत्रालय'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में फरवरी महीने के पहले हफ्ते में विधानसभा के चुनाव है। जनता को अपने पक्ष में करने के लिए सभी पार्टियां बड़े-बड़े दावे कर रही हैं। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में उसकी सरकार बनने पर पूर्वांचल के लोगों के लिए अलग मंत्रालय बनाया जाएगा। साथ ही बजट का प्रावधान किया जाएगा ताकि स्वास्थ्य, शिक्षा समेत उनकी तमाम समस्याओं का समाधान हो सके। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, कांग्रेस की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत, पार्टी नेता कन्हैया कुमार और प्रणव झा ने पूर्वांचली लोगों से जुड़े मुद्दों को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा और अलग मंत्रालय का वादा किया। ये सभी नेता मूल रूप से पूर्वांचली हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी ने पूर्वांचलियों की अनदेखी की है। कांग्रेस ने कुछ दिनों पहले ही वादा किया था कि दिल्ली में उसकी सरकार बनने पर छठ का पर्व महाकुंभ की तर्ज पर मनाया जाएगा।

6 लेयर की सिक्योरिटी, 7000 CCTV और FRS से लैस कैमरे

गणतंत्र दिवस पर अभेद किला बनेगी दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को भारत अपना 76वां गणतंत्र दिवस उत्सव मनाने जा रहा है, इसके लिए खास तैयारियां की गई हैं। देश की राजधानी इस बार पूरी तरह से चाक-चौबंद सुरक्षा के घेरे में होगी। गणतंत्र दिवस समारोह की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इंडिया टीवी के साथ बातचीत में डीसीपी नई दिल्ली देवेश महला ने बताया कि सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक की कोई गुंजाइश नहीं है। परेड के दौरान राजधानी में 6 लेयर का मल्टी-लेयर सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। इसके साथ ही 15 हजार पुलिसकर्मी सिर्फ कर्तव्य पथ के आसपास तैनात रहेंगे।

डीसीपी देवेश महला ने कहा, नई दिल्ली में 7000 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है जिनमें से 1000 से ज्यादा कैमरे सिर्फ परेड रूट पर नजर रखेंगे। इन कैमरों में फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (स्रत्रस्) का इस्तेमाल किया जा रहा है जो संदिग्ध अपराधियों की पहचान करने में मदद करेगा।

डीसीपी ने कहा, गणतंत्र दिवस को लेकर इस बार हमने 6 लेयर सिक्योरिटी लगाई है। घर से पैदल या गाड़ी से कोई भी आदमी आता है, उसे 6 लेयर सिक्योरिटी से गुजरना पड़ेगा। हर व्यक्ति जो गणतंत्र दिवस समारोह में आएगा, उसे हाई डेफिनिशन कैमरों की नजर से गुजरना होगा। अगर किसी का चेहरा डेटाबेस से मेल खाता है तो तुरंत अलार्म बज जाएगा और संबंधित सुरक्षा कर्मियों को जानकारी दी जाएगी। आगे उन्होंने कहा, कोई भी व्यक्ति नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट के अंदर प्रवेश भी करता है, तो हमारा सिस्टम उसको पकड़ने में कामयाब होगा।

जगन मोहन रेड्डी की पार्टी को बड़ा झटका

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी को बड़ा झटका लगा है। वाईएसआरसीपी के प्रमुख नेता माने जाने वाले विजय साई रेड्डी ने राजनीति से संन्यास ले लिया है। वह शनिवार को राज्यसभा की अपनी सदस्यता से इस्तीफ़ा देने जा रहे है। अपने एक्स हैंडल पर उन्होंने लिखा है कि किसी दबाव में ये फ़ैसला नहीं लिया है। ना ही वो किसी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरा इस्तीफा किसी पद या लाभ प्राप्ति के लिए नहीं है। यह निर्णय पूरी तरह से व्यक्तिगत है। मुझ पर कोई दबाव, जबरदस्ती या अनुचित प्रभाव नहीं है। अचानक यह फैसला उन्होंने क्यों लिया अभी तक इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर करोड़ों का फर्जीवाड़ा सीबीआई ने 10 जगहों पर की छापेमारी

निवेशकों को दी गई झूठी व भ्रामक जानकारी

हाथरस (एजेंसी)। सीबीआई ने 350 करोड़ रुपये से अधिक के क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन पर उच्च रिटर्न का वादा करने वाली डिजिटल करेंसी पोंजी स्कीम से संबंधित मामले में 7 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 7 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 10 स्थानों पर तलाशी ली गई। इस दौरान 34 लाख रुपये की नकदी, क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में 38, 414 अमेरिकी डॉलर की डिजिटल वर्चुअल संपत्ति सहित कई आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य एवं उपकरण बरामद किए गए।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के साथ पठित धारा 120 बी एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66 डी के तहत दिल्ली, हजारीबाग, बठिंडा, रतलाम, वलसाड, पुदुक्कोट्टई, चित्तौड़गढ़ शहरों में स्थित सात आरोपी व्यक्तियों (जो अलग-अलग संगठित साइबर अपराध मॉड्यूल संचालित कर रहे हैं) के खिलाफ मामला दर्ज किया हैद्य

यह आरोप है कि आपराधिक षडयंत्र में काम करने वाले आरोपी व्यक्ति क्रिप्टोकरेंसी निवेश आधारित उच्च रिटर्न का वादा करते हुए विभिन्न पोंजी व धोखाधड़ी वाली योजनाएं सक्रिय रूप से चला रहे हैं। उन पर इन अनियमित जमा योजनाओं में निवेशकों

को लुभाने के लिए झूठी व भ्रामक जानकारी को बढ़ावा देने, वादा करने व प्रसारित करने का भी आरोप है, जो भारतीय रिजर्व बैंक जैसे नियामक प्राधिकरणों से अपेक्षित अनुमोदन के बिना संचालित होते हैं।जांच के सन्दर्भ में सीबीआई ने दिल्ली, झारखंड, पंजाब, मध्य प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु एवं राजस्थान सहित सात राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 10 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के परिणामस्वरूप 34.2 लाख रुपये की नकदी के साथ ही सात मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट,तीन हार्ड डिस्क, 10 पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड, सिम कार्ड, एटीएम/डेबिट कार्ड एवं कई आपत्तिजनक दस्तावेज सहित महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी बरामद हुए।

गणतंत्र दिवस: सुबह 3 बजे से शुरू हो जाएगी मेट्रो

यात्रियों की सुविधा के लिए खास इंतजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को तड़के तीन बजे अपनी सेवाएं शुरू करेगी ताकि लोगों को कर्तव्य पथ तक पहुंचने में सुविधा हो। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। आधिकारिक बयान के मुताबिक देश भर में गणतंत्र दिवस के उत्सव के बीच दिल्ली मेट्रो रविवार को सुबह तीन बजे सभी लाइनों पर अपनी सेवाएं शुरू कर देगी, ताकि लोग कर्त्तव्य पथ तक पहुंच सकें और वहां आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड और समारोह देख सकें। बयान के मुताबिक यात्रियों की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सुबह छह बजे तक 30 मिनट के अंतराल पर ट्रेनें चलेंगी, जिसके बाद शेष दिन के लिए नियमित समय सारिणी का पालन किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाने तथा अंतिम समय में होने वाली किसी भी असुविधा से बचने के लिए सुबह की मेट्रो सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

वहीं बेंगलुरु में 26 जनवरी को मेट्रो सेवाएं नादप्रभु केम्पेगौड़ा स्टेशन, (मैजेस्टिक) समेत सभी चार टर्मिनल से सुबह सात बजे के बजाय छह बजे शुरू होंगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस पर 'लालबाग फ्लॉवर शो' और मादवारा के बीआईईसी में विशेष कार्यक्रम के लिए यात्रा करने वाले यात्रियों की संभावित भीड़ के मद्देनजर 'ग्रीन लाइन' एवं 'पर्पल लाइन' पर मेट्रो ट्रेन के 20 अतिरिक्त फेरे लगाये जायेंगे। बेंगलुरु मेट्रो रेल निगम (बीएमआरसीएल) ने एक बयान में कहा, ''यात्री टोकन, 'स्मार्ट कार्ड', 'नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' और 'क्यूआर' टिकट का उपयोग करके लालबाग मेट्रो स्टेशन तक जा सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लालबाग मेट्रो स्टेशन पर, बीएमआरसीएल टोकन के बजाय यात्रियों की त्वरित आवाजाही के लिए सुबह 10 बजे से रात आठ बजे तक सीधा 30 रुपये का टिकट जारी करेगा।'' बीएमआरसीएल ने कहा कि इस अवधि के दौरान लालबाग मेट्रो स्टेशन पर टोकन जारी नहीं किए जाएंगे।

ममता कुलकर्णी को मिली महामंडलेश्वर की पदवी

किन्नर अखाड़े में आकर बन गई संन्यासी

मालदा (एजेंसी)। 90 के दशक की स्टार बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने आम जीवन का त्याग कर अब वैराग्य की ओर रूख कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़े में आकर संन्यासी बन गई हैं। बताया जा रहा कि वे किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनने जा रही हैं। उन्होंने अपना पिंडदान कर दिया है, अब वे अपना जीवन वैरागी बनकर बिताएंगी। जानकारी के मुताबिक, शाम को ममता का पट्टाभिषेक समारोह होगा, इसके बाद वे महामंडलेश्वर पूरी तरह बन जाएंगी। दीक्षा के बाद ममता कुलकर्णी को नया नाम दिया गया है, उनका अब नया नाम श्री यामाई ममता नंद गिरि है। किन्नर अखाड़े की अध्यक्ष और जूना अखाड़ की आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने एक्ट्रेस को दीक्षा दी है। जानकारी दे दें कि किन्नर अखाड़े को मान्यता अभी प्राप्त नहीं है, इस कारण यह वर्तमान में जूना अखाड़े से जुड़ा हुआ है।

महामंडलेश्वर की दीक्षा के लिए कठिन तप और समय लगता है, पहले किसी गुरु के साथ जुड़कर अध्यात्म की शिक्षा ली जाती है, उस दौरान आपका आचरण, परिवार मोह त्यागना, साधना सब गुरु की देखरेख में होता है। जब गुरु को लगता है आवेदक इस काबिल हो गए हो तो उन्हें दरबान से लेकर भंडारे, रसोई जैसे कार्यों में लगाया जाता है, धीरे-धीरे सालों बाद जब आप सब त्याग कर पूरी तरह अध्यात्म में लीन हो जाते हैं। फिर जब गुरु को लगता है अब आवेदक संत बनने के लिए तैयार है तो गुरु जिस अखाड़े से जुड़े होते है। उन अखाड़ों में उन्हें महामंडलेश्वर की दीक्षा योग्यतानुसार दिलाई जाती है। आवेदन के बाद अखाड़ा परिषद के लोग पहले तो आवेदक के गुरु पर भरोसा करते है, इस कारण गुरु जिन शिष्यों को लेकर आए है उन्हीं से बैकग्राउंड डिटेल मांगा जाता है। इसके बाद अगर किसी पर कोई शक होता है तो अखाड़ा परिषद खुद उस आवेदन करने वाले के घर, परिवार, गांव, तहसील, थाना सभी का वेरीफिकेशन करवाती है, साथ ही क्रिमिनल बैकग्राउंड भी चेक करवाती है। अगर कोई भी किसी भी जानकारी में योग्य नहीं पाया जाता तो उसे फिर दीक्षा नहीं दी जाती और रिजेक्ट कर दिया जाता है।

'इन सचिवों को नहीं छोड़ूंगी, मोटी चमड़ी वाले हो गए हैं'

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत में प्रशासनिक अधिकारियों और सचिवों के बीच विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है। खेकड़ा तहसील की एसडीएम ज्योति शर्मा का एक ऑडियो वायरल हो गया है, जिसमें वह कह रही हैं, ÷मेरे अंदर पुराने डीएम की आत्मा आ गई है, मैं इन सचिवों को नहीं छोड़ूंगी÷। जूम मीटिंग पर सचिवों के न जुड़ने की वजह से एसडीएम ज्योति शर्मा भड़क गई। उन्होंने डीपीआरओ बागपत पर सचिवों को संरक्षण दिए जाने का

भी आरोप लगाया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को जूम मीटिंग के दौरान यह विवाद शुरू हुआ, जब सचिव नहीं जुड़े। इससे नाराज एसडीएम खेकड़ा ने सचिवों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही। वायरल ऑडियो में उन्होंने न सिर्फ सचिवों की आलोचना की, बल्कि उनके खिलाफ एफआईआर कराने तक की बात कही। एसडीएम ने यह भी आरोप लगाया कि डीपीआरओ बागपत सचिवों को संरक्षण दे रहे हैं और उनके खिलाफ भी कदम उठाए जाने चाहिए। वायरल ऑडियो में एसडीएम ज्योति शर्मा ने साफ कहा, इन सचिवों को नहीं छोड़ूंगी। उन्होंने कहा कि सचिव बदतमीज हो गए हैं और अपने कर्तव्यों का पालन सही ढंग से नहीं कर रहे। उनके इस बयान ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

'मंदिर पर सरकार नहीं भक्तों का नियंत्रण, हर हिंदू परिवार में तीन बच्चे'

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मण्डल की बैठक में समाज से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। सबसे अहम फैसला मंदिरों को लेकर

● विश्व हिन्दू परिषद की बैठक में हुए कई अहम फैसले

लिया गया। बैठक में शामिल प्रमुख संत इस बात पर सहमत हुए कि सभी मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर करके भक्तों के नियंत्रण में दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही हिंदू समाज में कम होती जन्म दर पर भी चिंता जाहिर की गई। बैठक में कहा गया कि हर हिंदू परिवार में कम से कम तीन बच्चे जरूर होने चाहिए।

विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मण्डल की बैठक में देश के प्रमुख संत शामिल होते हैं। केन्द्रीय मार्गदर्शक मण्डल विश्व हिन्दू परिषद की वैधानिक इकाई है। विश्व हिन्दू परिषद शुरुआत से ही केन्द्रीय मार्गदर्शक मण्डल के मार्गदर्शन में कार्य करता आया है।

बैठक में हुए अहम फैसले में देश भर में हिन्दू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने का जागरण अभियान शुरू हुआ है। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के बड़ा सभा से इस अभियान का शंखनाद हो चुका है। संतों ने आग्रह किया है कि सभी मंदिर सरकारी नियंत्रण से मुक्त किये जाएं, सरकारी नियंत्रण स्थापित करने वाले कानून हटाए जाएं और मंदिरों का प्रबंधन आस्था रखने वाले भक्तों को सौंपा जाए।

हिन्दू समाज के घटती जन्म दर का प्रमुख कारण हिन्दू जनसंख्या में हो रहा असंतुलन है। हिन्दू समाज के अस्तित्व की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण दायित्व के रूप में हर हिन्दू परिवार में कम से कम तीन बच्चों का जन्म होना चाहिए। मार्गदर्शक मण्डल के पूज्य संतों ने आह्वान किया है कि हिन्दू समाज की जनसंख्या को संतुलित बनाये रखने के लिए हिन्दू समाज के जन्म दर को बढ़ाने की आवश्यकता है।

वक्फ बोर्ड के निरंकुश व असीमित अधिकारों को नियंत्रित करने के लिए केन्द्र सरकार कानून सुधार अधिनियम लाने वाली है, उसका केन्द्रीय मार्गदर्शक मण्डल स्वागत करती है और यह आह्वान करती है कि यह कानून पारित होना चाहिए तथा सभी दलों के सांसदों को इसमें सहयोग करना चाहिए।

1984 के धर्म संसद से लेकर अयोध्या, मथुरा, काशी तीनों मन्दिरों की प्राप्ति के लिए पूज्य संत समाज, हिन्दू समाज, विश्व हिन्दू परिषद तथा संघ भी संकल्प बद्ध था, है और भविष्य में भी रहेगा। भारत के उत्थान के लिए सामाजिक समरसता, पर्यावरण की रक्षा, कुटुम्ब प्रबोधन से हिन्दू संस्कारों का सिंचन तथा सामाजिक कुप्रथाओं का निर्मूलन, अपने स्व का आत्मबोध तथा अच्छे नागरिकों के कर्तव्य, ये राष्ट्रीय चारित्र्य के विकास के लिए समाज के लिए आवश्यक है।

राजभवन का अवलोकन शनिवार को 2 बजे से और रविवार को 11 बजे से

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के निर्देशानुसार 24 से राजभवन 27 जनवरी 2025 तक खोला जा रहा है। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आगंतुकों के लिए संविधान की थीम पर आधारित प्रदर्शनी और ओपन थिएटर विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। ओपन थिएटर में अमर शहीदों की गौरव गाथा और विकास पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस संबंध में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता ने बताया कि नागरिक 25 जनवरी से 27 जनवरी 2025 तक निर्धारित अवधि में राजभवन का अवलोकन कर सकेंगे। राजभवन 25 और 27 जनवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार 26 जनवरी, 2025 गणतंत्र दिवस को प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक राजभवन भ्रमण की अनुमति रहेगी। तीन दिनों की अवधि में राजभवन में प्रवेश और निकास गेट नंबर- 2 से ही होगा। आगंतुकों की वाहन पार्किंग मिंटो हॉल परिसर में की जा सकेगी। राजभवन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर संविधान में आर्ट एन्ड कैलीग्राफी पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है। इस अवसर पर संविधान निर्माण सभा के प्रमुख व्यक्तित्व और संविधान सभा में मध्यप्रदेश की हस्तियों पर केन्द्रित वीथिका भी है। आगंतुक, संदीपनि सभागार स्थित उपहार गैलरी, आर्टिफिशियल वाइल्ड-लाइफ पर आधारित पंचतंत्र उद्यान, सुन्दर-सुसज्जित लॉन, विभिन्न प्रजातियों के मनमोहक फूल-पेड़-पौधों का अवलोकन कर सकेंगे। इसी प्रकार 1796 ई. की तोप और 1887 ई. में बने सुन्दर बैंक्वेट हॉल का वास्तुशिल्प भी ऐतिहासिक और विशेष दर्शनीय है। आगंतुक 27 जनवरी को राजभवन भ्रमण के दौरान लाल परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह की प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त विभागीय झांकियों का भी अवलोकन कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा और विवाह प्रोत्साहन योजना प्रकरणों का तेजी से निराकरण करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दिव्यांगजन कल्याण के लिए राज्य शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना तथा मुख्यमंत्री दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के लंबित प्रकरणों का निराकरण तत्परता से किया जाए। इस आशय के निर्देश प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने जिलाधिकारियों को दिये है। प्रमुख सचिव श्रीमती वायंगणकर ने कहा है कि दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की इन दोनों महत्वाकांक्षी का योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी ढ़ंग से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन ने मुख्यमंत्री दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना के प्रकरणों के तेजी से निराकरण के लिये दो लाख रूपये तक की राशि स्वीकृत करने के अधिकार जिला कलेक्टर को दिए हैं।

बलराम तालाब योजना में एक लाख रूपये तक मिलती है अनुदान राशि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कृषि विभाग की बलराम तालाब योजना में सामान्य कृषकों को स्वयं के व्यय पर तालाब निर्माण करने पर लागत राशि का 40 प्रतिशत अधिकतम 80 हजार रूपये का लाभ मिलता है। योजना में लघु-सीमान्त कृषकों को लागत राशि का 50 प्रतिशत और अधिकतम 80 हजार रूपये और अनुसूचित जाति/जनजाति के कृषकों को लागत राशि का 75 प्रतिशत अधिकतम एक लाख रूपये की अनुदान राशि दी जाने का प्रावधान है। योजना में वर्ष 2023-24 में 569.30 लाख रूपये की राशि से 662 बलराम तालाब निर्मित किये गये। विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिये 5308.34 रूपये का वित्तीय लक्ष्य एवं 6144 बलराम तालाब निर्मित किये जाने का भौतिक लक्ष्य रखा गया है।

विद्युत चोरी के 808 प्रकरण दर्ज, 63 लाख से अधिक की बिलिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर विद्युत की चोरी के 808 प्रकरण दर्ज कर 63 लाख से अधिक की बिलिंग सहित 18 लाख से अधिक की वसूली की गई है। कंपनी ने बताया कि विजिलेंस बिलिंग पोर्टल पर पारितोषिक योजना में सूचनाकर्ता द्वारा विद्युत चोरी एवं अन्य अनियमितताओं से संबंधित गोपनीय सूचना दिये जाने की ऑनलाईन व्यवस्था की गयी है। अब ऑनलाइन पोर्टल के इन्फार्मर सेक्शन में विद्युत की चोरी तथा अनियमितता की सूचना किसी व्यक्ति अथवा उपभोक्ता के अलावा आउटसोर्स कर्मी द्वारा भी दी जा सकती है। इसके लिए सूचना दिये जाने के बाद की गई जांच में पायी गयी चोरी अथवा अनियमितता के आधार पर बिल की गयी राशि के पूर्ण भुगतान प्राप्त हो जाने पर संबंधित सूचनाकर्ता एवं संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को निर्धारित पारितोषिक दिया जाता है। कंपनी ने बताया कि योजना में प्रोत्साहन राशि के भुगतान के लिये कंपनी के पोर्टल पर 20 जनवरी 2025 तक की स्थिति में कुल 808 प्रकरण दर्ज हुए हैं। इसमें से जांच के बाद 280 प्रकरणों में विद्युत चोरी या अन्य अनियमितता पायी गई है। जिनके मौके पर पहुंचकर पंचनामें बनाये गये हैं।

राज्यपाल पटेल गणतंत्र दिवस पर भोपाल में फहरायेंगे ध्वज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल गणतंत्र दिवस-26 जनवरी को भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ध्वज फहरायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में ध्वज फहरायेंगे। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर मुरैना जिले में और जिला मुख्यालयों पर मंत्रीगण एवं कलेक्टर ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा देवास, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा, पंचायत और ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल सागर, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह झाबुआ, नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय धार, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह जबलपुर, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सिवनी, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रतापसिंह कटनी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके अलीराजपुर, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ग्वालियर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना दतिया, महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया

नीमच, खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत नरसिंहपुर, खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग हरदा, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह निवाडी, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान उमरिया, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला श्योपुर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप रतलाम, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार पन्ना में ध्वज फहराएंगे। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर टीकमगढ़, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल सीधी, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल उज्जैन, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन सिंह पटैल दमोह, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार रायसेन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल बैतूल, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी सतना, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार अनूपपुर एवं पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह मैहर में ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

जिला मुख्यालय छिंदवाड़ा, खरगौन, बड़वानी, सिंगरौली, बुरहानपुर, गुना, अशोकनगर, भिंड, मऊगंज, छतरपुर, सीहोर, खंडवा, राजगढ़, नर्मदापुरम, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, शहडोल, विदिशा और डिंडौरी में जिला कलेक्टर ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

बजट संवाद में विषय-विशेषज्ञों से प्राप्त सुझावों को बजट में किया जायेगा शामिल-उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों के विषय-विशेषज्ञों एवं हितधारकों द्वारा मध्यप्रदेश बजट 2025-26 से प्राप्त सुझावों को बजट में शामिल किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में बजट संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक भारत को विश्व में विकसित राष्ट्र के रूप में नम्बर वन पर लाना है। उन्होंने कहा कि आने वाले 25 वर्षों में हमारा देश विश्व गुरु के रूप में स्थापित हो, यह बजट संवाद उसी कड़ी का हिस्सा है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि हमारा देश विश्व में विकसित ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी मजबूत बनेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि बजट पर संवाद कार्यक्रम में उपस्थित विषय-विशेषज्ञों ने अपने प्रस्तुतिकरण में कई सुझाव दिये हैं, जिससे कई क्षेत्रों में और काम करने की गुंजाइश है।

अब तक खरीदी गई 43 लाख 47 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 6 लाख 68 हजार 654 किसानों से 43 लाख 47 हजार 206 मीट्रिक टन धान की खरीदी उपार्जन केन्द्रों में हो चुकी है। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रूपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रूपये है। किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में अभी तक 8267 करोड़ 1 लाख रूपये की राशि अंतरित कर दी गई है। खरीदी गई धान में से 39 लाख 66 हजार 473 मीट्रिक टन उपार्जित धान का परिवहन किया जा चुका है। कुल 12 लाख 55 हजार 412 मीट्रिक टन धान मिलर्स को भेजी जा चुकी है। प्रदेश के बालाघाट में 5 लाख 49 हजार 929, कटनी 4 लाख 11 हजार 821, सतना 4 लाख 1 हजार 192, जबलपुर 3 लाख 80 हजार 556, रीवा 3 लाख 48 हजार 552, सिवनी 3 लाख 1 हजार 904, मण्डला 2 लाख 2 हजार 118, शहडोल 2 लाख 186, पन्ना 1 लाख 79 हजार 343, मैहर 1 लाख 69 हजार 726, नर्मदापुरम 1 लाख 66 हजार 265, सिंगरौली 1 लाख 46 हजार 819, उमरिया 1 लाख 29 हजार 814, सीधी 1 लाख 29 हजार 352, 495, सीहोर 42 हजार 514, सागर 19 हजार 223, छिन्दवाड़ा 12 हजार 959, भिंड 2 हजार 769, विदिशा 1546, शिवपुरी 1469, हरदा 1367, मुरैना 237, अलीराजपुर 56 और झाबुआ जिले में 18 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है।

वन विहार में मैं भी बाघ'' और हम हैं बदलाव'' थीम पर शिविर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों को वन्य-जीव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिये वन विहार में शिविर आयोजित किया गया। शिविर मैं भी बाघ'' और हम हैं बदलाव'' थीम पर आधारित था। शिविर में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीएम राइज सरदार पटेल स्कूल करोंद भोपाल के 123 छात्र-छात्राओं और 5 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

शिविर में छात्र-छात्राओं को अनुभूति बुक, बैग, कैप, ब्रोशर के साथ जलीय पक्षी, स्थलीय पक्षी, तितली प्रजाति, गिद्ध कुंजी के ब्रोशर भी दिये गये। छात्र-छात्राओं को पक्षी दर्शन, वन्य-जीव दर्शन,

प्रकृति पथ-भ्रमण और स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों की जानकारी दी गयी। छात्र-छात्राओं को पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियाँ भी करायी गयीं। छात्र-छात्राओं को बाघ पर बनी फिल्म भी दिखायी गयी। शिविर में वन्य-जीवों का रेस्क्यू कैसे किया जाता है, इसके संबंध में वन विहार में उपलब्ध रेस्क्यू वाहन के माध्यम से रेस्क्यू टीम द्वारा अवगत कराया गया।

अनुभूति कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर श्री एस.के. खरे, सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक, बॉयोलॉजिस्ट श्री विजय बाबू नंदवंशी द्वारा छात्र-छात्राओं को वन्य-जीव और पर्यावरण के बारे में जानकारी दी गयी। शिविर के समापन अवसर पर संचालक वन विहार श्री मीना अवधेश कुमार शिव कुमार, सहायक संचालक वन विहार श्री सुनील कुमार सिन्हा और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। आगामी अनुभूति शिविर 30 जनवरी को वन विहार में होगा।

किसानों को मिल रहा है कृषक प्रशिक्षणों का लाभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों को खेती की नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण देकर खेती को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में कारगर उपाय किए जा रहे हैं। आत्मा योजनांतर्गत कृषकों को अधिक उत्पादन के लिये प्रशिक्षण प्रदान किये जा रहे हैं। किसानों को राज्य से बाहर भी प्रशिक्षण के लिये भेजा जाता है। इस प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर बैतूल जिले के किसान श्री लोकेश गावंडे प्रतिमाह 10 हजार रूपये का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें अकोला (महाराष्ट्र) भेजा गया था, जहां से उन्हें उन्नत तरीके से वर्मी कम्पोस्ट बनाने एवं मार्केटिंग के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। वे बताते हैं कि मेरे स्वयं के पास कम पशुधन होने के कारण मैं वर्मी कम्पोस्ट बनाने हेतु कच्चा माल (गोबर, कचरा) गांव एवं आसपास के गांव से खरीदकर खाद का निर्माण करता हूँ जिसकी लागत लगभग प्रति ट्राली 2000 रूपये होती है। इससे लगभग 10 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तैयार होती है, जिसमें कुल खर्च 4000 रुपये होता है और 700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बेचने पर 7000 रुपये प्राप्त होते है। इस तरह एक माह में 3000 रुपये खाद से तथा 7000 रुपये केंचुआ विक्रय से प्राप्त हो रहे हैं। ग्राम पंचायत सिंघपुर जिला मण्डला के किसान उत्तम सिंह परस्ते ने बताया कि वे कृषि विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में भाग लेकर गेहूँ और धान का अच्छा उत्पादन कर रहे है। फसलों की उन्नत तकनीकों को अपना कर कोदो एवं सब्जियों का अच्छा उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने अपने खेत पर सोलर पंप भी लगवाया है जिससे वह सब्जियों के लिए सिंचाई का साधन बन गया है। जैविक खेती के लिए केंचुआ पालन भी कर रहे हैं।

प्रदेश के सभी 65 हजार 14 मतदान केंद्रों पर मनाया जाएगा 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के सभी 65 हजार 14 मतदान केंद्रों पर 25 जनवरी 2025 को 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखवीर सिंह ने बताया कि राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में स्टेट आइकॉन श्री राजीव वर्मा, श्री गोविंद नामदेव, श्रीमती दिव्यांका त्रिपाठी दाहिया, सुश्री संजना सिंह और सुश्री देशना जैन उपस्थिति रहेंगी।

श्री सिंह ने बताया कि 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रदेश के सभी 55 जिलों में कार्यक्रम होंगे। प्रदेश की सभी शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों और अधिकारियों-कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलाई जाएगी। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 का संचालन, लोकसभा निर्वाचन-2024 के संचालन में कानून व्यवस्था बनाए रखने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बूथ लेवल अधिकारी और स्वीप गतिविधि में बेहतर कार्य करने वाले जिला निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचन से संबंधित निबंध प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त के संदेश का प्रसारण किया जाएगा। मुख्य अतिथि द्वारा युवा मतदाताओं को इपिक कार्ड का वितरण और मतदाता शपथ दिलाई जाएगी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के संचालन के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नेहा मीना एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सत्यनारायण दर्रो जिला झाबुआ, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेश बाथम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शालिनी श्रीवास्तव जिला रतलाम, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुभाष कुमार द्विवेदी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश कुमार शर्मा जिला अशोकनगर को सम्मानित किया जायेगा। विशेष श्रेणी पुरस्कार आईटी एवं स्वीप गतिविधियों के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना को दिया जायेगा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में स्वीप गतिविधियों के लिये नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह, जिला पंचायत सीईओ भोपाल श्री ऋतुराज सिंह एवं सहायक नोडल स्वीप श्री रीतेश शर्मा को सम्मानित किया जाएगा।

विश्वविद्यालयों में हुई कार्यशालाओं के निष्कर्ष पर क्रियान्वयन के लिए बनाएं व्यापक कार्य योजना-उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा शीर्ष समिति की बैठक हुई।

मंत्री श्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा = विविध संदर्भ के अन्तर्गत विभिन्न आधारभूत विषयों पर संबंधित विश्वविद्यालयों में हुई कार्यशालाओं से प्राप्त महत्वपूर्ण निष्कर्ष पर विस्तृत विचार विमर्श कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। श्री परमार ने कहा कि पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परम्परा के समग्र समावेश के लिए विविध कार्यशालाओं से प्राप्त अनुशंसाओं पर आवश्यक क्रियान्वयन के लिए व्यापक कार्य योजना बनाई जाए। इसके लिए भारतीय ज्ञान परम्परा =

विविध संदर्भ के अन्तर्गत विभिन्न आधारभूत विषयों पर आबंटित संबंधित विश्वविद्यालयों को ही नोडल एजेंसी बनाएं एवं विषय अनुरूप समिति का गठन कर व्यापक कार्ययोजना के साथ क्रियान्वयन करें। मंत्री श्री परमार ने चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास विषय के लिए समग्र कार्य योजना बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन करें, इसमें प्रदेश के समस्त प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्यों, भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारियों, समस्त विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों, केंद्रीय अध्ययन मंडल के सदस्यों एवं भारतीय ज्ञान परम्परा शीर्ष समिति के सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मंत्री श्री परमार ने मप्र हिंदी ग्रन्थ अकादमी द्वारा संपादित एवं प्रकाशित भारतीय ज्ञान परम्परा पुस्तक का विमोचन भी किया। ज्ञातव्य है कि सात आधारभूत विषयों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में आवंटित कर विविध कार्यशालाएं की गईं। इनमें विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में शब्दावली में परिवर्तन, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर में शिक्षा में आध्यात्मिकता डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय शैक्षणिक संस्थानों के परिवेश में भारतीयता एवं अमलताश पर आयोजित कार्यशालाओं से प्राप्त महत्वपूर्ण अनुशंसाओं पर व्यापक विमर्श हुआ एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर विस्तृत मंथन किया गया।

अपंग भूतपूर्व सैनिक को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सहायता राशि दी गई

चुरहट में भूतपूर्व सैनिक सम्मेलन का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रुप कैप्टन सिद्धार्थ श्रीवास्तव (से.नि.) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सीधी द्वारा अपंग भूतपूर्व सैनिक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ग्राम सांडा तहसील चुरहट के घर जाकर मध्य प्रदेश सरकार सरकार द्वारा दी जाने वाली अपंग सहायता राशि 40 हजार रुपए दिया गया। तत्पश्चात जिला सैनिक अधिकारी ने उपखंड अधिकारी (एसडीएम) चुरहट शैलेश द्विवेदी तथा तहसीलदार राजेश शुक्ल से मीटिंग करके भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण हेतु प्रशासन द्वारा उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता एवं सहिष्णुता की साथ त्वरित समाधान करने हेतु आग्रह किया।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सीधी द्वारा नगर परिषद चुरहट के सम्मेलन कक्ष में चुरहट के भूतपूर्व सैनिको/सैनिक विधवाओ, वीर नारियो तथा भूतपूर्व सैनिको के परिजनो के कल्याण हेतु भूतपूर्व सैनिक सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में 14 भूतपूर्व सैनिक, 01 पूर्व सैनिक विधवा सम्मिलित हुई। सम्मेलन में सैनिक कल्याण से जुड़े हुये विभिन्न मुद्दो, समस्याओ तथा उनके शीघ्र समाधान हेतु किए जा रहे प्रयासो पर चर्चा एवं संवाद हुआ। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने भूतपूर्व सैनिको ध्सैनिक विधवाओ/वीर नारियो एवं पूर्व सैनिको के आश्रितों द्वारा उठाई गई समस्याओ का उचित निराकरण एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु आश्वासन दिया एवं समुचित आदेश दिये। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने केंद्रीय सैनिक बोर्ड, भारत सरकार एवं राज्य सैनिक बोर्ड, म.प्र. सरकार द्वारा दी जानी वाली अनुदान सहायता, विभिन्न योजनाओ एवं स्कीम/सुविधाओ के बारे में अवगत कराया तथा सूचित किया कि निकट भविष्य में मुख्यमंत्री जी के आदेश पर म.प्र. सरकार द्वारा अनुदान राशि और बढ़ाई जाएगी। उन्होने सूचित किया कि म.प्र. सरकार ने आदेश दिया है कि समग्र पोर्टल पर पंजीयन एवं ई-केवाईसी अनिवार्य है। मृत्यु अनुदान, छात्रवृत्ति एवं इस कार्यालय में पंजीयन करवाने के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है।

सभी भूतपूर्व सैनिको को बताया गया कि उन्हे अपने सभी दस्तावेज एवं परिवार का डाटा, जन्म दिनांक नाम इत्यादि रिकार्ड आफिस में अपडेट करना आवश्यक है एवं आधार/पैन के इत्यादि ई-केवाईसी के साथ जमा करना आवश्यक है। अन्यथा अनुदान या पेंशन बाधित हो सकता है। विभिन अनुदान राशियो में किए गए बढ़ोत्तरी एवं नवीनतम रेट भी सभी उपस्थित व्यक्तियों को सूचित किया गया। संचालनालय सैनिक कल्याण मध्यप्रदेश द्वारा प्रेषित भूतपूर्व सैनिको एवं उनके आश्रितों के लिए उपयोगी जानकारी की "सूचना पुस्तिका" भी बांटी गई एवं सभी के प्रश्नो का समुचित उत्तर दिया गया। उन्होने बताया कि भारत सरकार एवं म.प्र. सरकार निरंतर ही भूतपूर्व सैनिको के कल्याण हेतु संवेदनशील है एवं कार्य कर रही है।

ग्रुप कैप्टन सिद्धार्थ श्रीवास्तव (से.नि.) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सीधी ने सभी उपस्थित जनों का हार्दिक धन्यवाद दिया एवं उन्हे आश्वस्त किया कि जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सीधी सभी भूतपूर्व सैनिको, वीर नारियो, सैनिक विधवाओ एवं सैनिको के परिजनो की सेवा के लिए सर्वदा कार्यरत है एवं उनके कल्याण हेतु निरंतर कार्य करने को कटिबद्ध है।

व्यापारी चोरी के जेवरात न खरीदे : एसपी

दुकानों में सीसीटीवी लगवाए और गार्ड तैनात करें

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में चोरी के जेवरात खरीदने के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। एसपी मनीष खत्री ने सर्राफा व्यापारियों के साथ शुक्रवार को बैठक की। बैठक में व्यापारियों को चेतावनी दी गई कि चोरी का माल खरीदने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के जेवर न खरीदे व्यापारी: एएसपी शिवकुमार वर्मा ने बताया कि जिले में लगातार हो रही चोरियों में चोर सोने-चांदी के जेवर सर्राफा व्यापारियों को बेच रहे थे। इस संबंध में एक दिन पहले बुधवार को दो सुनारों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने व्यापारियों को सतर्क रहने की हिदायत दी है और कहा है कि बिना बिल के सामान न खरीदें।

पुलिस ने व्यापारियों को सलाह दी कि अगर कोई व्यक्ति बाजार से कम दाम पर सोना बेचने की कोशिश करे, तो वह संदिग्ध माना जाएगा। ऐसी स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें। साथ ही व्यापारियों को अपनी दुकानों में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने और प्राइवेट गार्ड रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते, थाना प्रभारी बैढ़न अशोक सिंह परिहार, थाना प्रभारी विन्ध्यनगर अर्चना द्विवेदी, जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार के साथ सर्राफा व्यापारी संघ के अध्यक्ष और अन्य सदस्य मौजूद रहे। पुलिस ने व्यापारियों से संघ के भीतर आपसी तालमेल बनाए रखने और सरकारी और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

जमीन विवाद में पिता-पुत्र पर जानलेवा हमला

तीन लोगों ने लाठी-डंडों से पीटा, जिला अस्पताल में इलाज जारी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में पुराने जमीन विवाद को लेकर एक पिता-पुत्र पर तीन लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। गुरुवार देर रात सिविल लाइन थाना क्षेत्र की ललौनी में हुई इस घटना में मजदूर जगदीश (37) और उनके पिता रजुआ अहिरवार गंभीर घायल हो गए।

घटना उस समय हुई, जब गांव में रामधुन चल रही थी। पिता-पुत्र अपने घर के बाहर खड़े थे, इसी दौरान गांव के ही कल्लू, उसका बेटा राहुल और एक अन्य व्यक्ति (छोटे) ने लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया।

घायल जगदीश ने बताया कि वह मजदूरी से लौटा ही था कि आरोपियों ने उन्हें और उनके पिता को बुरी तरह पीट दिया। घटना की सूचना 100 नंबर पर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

पत्नी की हत्या के आरोपी पति को आजीवन कारावास

चाचा के कुएं में शव फेंका था, पड़ोसी से बोला था- पत्नी पानी लेने गई है

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले में अपर सत्र न्यायाधीश पवन शंखवार की अदालत ने पत्नी की हत्या के आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी सुखसेन उर्फ भल्लू पर 2 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। घटना 13 अगस्त 2020 की है। राशन को लेकर हुए विवाद में आरोपी सुखसेन ने अपनी पत्नी बुधवरिया बाई को पीटा था। बेहोशी की हालत में चाचा बुधराम के कुएं में फेंक दिया था। पुलिस ने पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल किया था।

दरअसल, आरोपी सुखसेन और उसकी पत्नी बुधवरिया बाई दोनों गुलाब सिंह के खेत में मजदूरी करने गए थे। जब दोनों शाम को घर लौटे, तो राशन को लेकर आपस में विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया, कि मारपीट तक पहुंच गया। इसमें पत्नी बुधवरिया को गंभीर चोटें आईं। जिससे वह बेहोश हो गई। आरोपी सुखसेन ने पत्नी बुधवरिया को चाचा बुधराम के कुएं में फेंक दिया। जिससे उसकी कुएं के पानी में डूबने से मौत हो गई।

हालांकि, आरोपी पति सुखसेन ने अपना जुर्म छुपाने के लिए कुएं के पास पानी भरने का तबेला रख दिया। अमरकंटक पुलिस ने आशंका होने पर कड़ाई से आरोपी पति सुखसेन से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल किया। आरोपी पति सुखसेन के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जेल भेज दिया था। इसके बाद कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया था।

हत्या को छिपाने कुएं के पास तबेला रखा था: अपने कारनामों को छिपाने के लिए पति सुखसेन ने पड़ोसी कृपाल सिंह के पिता से कहा उसकी पत्नी पानी लेने गई है और अभी तक वापस नहीं आई। घटना की सूचना सरपंच ने पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला। संदेह होने पर आरोपी पति सुखसेन को हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ की, तो जुर्म कबूल किया।

न्यायालय में पुलिस ने आरोपी पति सुखसेन के खिलाफ चार्जशीट पेश की। जिसके बाद न्यायालय में विवेचना के दौरान आरोपी सुखसेन पर आरोप सही पाए गए। मामले में वरिष्ठ सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नरेंद्र-दास महरा की पैरवी के बाद न्यायालय ने सभी सबूतों और गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते उम्रकैद की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी सुखसेन उर्फ भल्लू पर 2 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है।

बालिका दिवस पर बेटियों को मिली खास ट्रेनिंग

आंगनवाड़ी केंद्रों में दी कानूनी अधिकारों की जानकारी, गीत-भाषण प्रतियोगिताएं भी हुईं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कुसमी क्षेत्र में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटियों को सशक्त बनाने का अभियान चलाया गया है। शुक्रवार को महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी मानकुमारी पनाडिया के मार्गदर्शन में देवार्थ नौढिया आंगनवाड़ी केंद्र में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

मंडल अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम का विस्तार कोडार, जूरी भगवार और मेडरा सहित पूरे क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों तक किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को उनके मौलिक अधिकारों से अवगत कराया गया। शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। बेटियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए गीत और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। मंडल अध्यक्ष ने महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा से बचाव के उपायों और कानूनी प्रावधानों पर विशेष चर्चा की।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देते हुए इनके नियमित उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यालय शिक्षक रमेश सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चंद्रवती साहू, सुमित्रा सिंह, सहायिका गायत्री मिश्रा और प्रेमवती सिंह सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण मौजूद रहे। यह पहल बेटियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आज शासकीय महाविद्यालय मड़वास में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत त्रैमासिक गतिविधियों के तहत "राष्ट्रीय बालिका दिवस" के कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके बाद महाविद्यालय की छात्राओ का सम्मान महाविद्यालय की डॉ. संगीता मिश्रा और डॉ. ज्योति रजक के द्वारा अक्षत तिलक लगाकार और पुष्प वर्षा कर के "बालिका पूजन" किया गया। तत्पश्चात स्वागत भाषण और विषय प्रवर्तन डॉ. सौरभी गुप्ता के द्वारा किया गया।

आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़वास की प्राचार्या मंजू सिंह उपस्थित थी उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए । वही मुख्य वक्ता के रूप में महिला बाल विकास विभाग की मड़वास की पर्यवेक्षक मंजू मिश्रा उपस्थित थी उन्होंने बालिकाओं के अधिकारों के सम्बंध में प्राचीन एवं वर्तमान परिदृश्य के परिप्रेक्ष्य में अपनी बात रखी साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही बालिका कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। सह वक्ता के रूप में ऋशा सिंह शिक्षिका शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मड़वास उपस्थित थी। महाविद्यालय की छात्रा कु. शालिनी साकेत द्वारा बालिका गीत प्रस्तुति किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की डॉ. अमिता खरे ने बालिकाओं के शैक्षिक अधिकारों पर अपनी बात कही। कार्यक्रम का सफल संचालन आज के कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. आकांक्षा मिश्रा द्वारा किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया। आज संगोष्ठी के कार्यक्रम के साथ ही "समाज के उत्थान में बालिकाओं की भूमिका" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया इंसमे प्रथम स्थान पर कुमारी रूबी साहू द्वितीय स्थान पर शैलजा शुक्ला एवं तृतीय स्थान पर कुमारी चंचल सेन रही । सभी विजयी प्रतिभागियों को पारितोषिक वितरण किया गया।

आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ कमलेश जायसवाल,डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा, डॉ.राजेश पटेल, डॉ.पंकज मिश्र, डॉ अनुराग तिवारी, प्रो.प्रवीण कुमार डॉ सुरेंद्र गुप्ता, सुंदर लाल प्रजापति, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राये उपस्थित थे।

झोपड़ी में आग लगी, जिंदा जले सगे भाई

2 और 3 साल के मासूमों को सोता छोड़ गए थे माता-पिता, लौटे तो शव मिले

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले में खेत पर बनी झोपड़ी में अचानक आग लगने से दो बच्चे जिंदा जल गए। बच्चों के माता-पिता जंगल में लकड़ी बीनने गए थे। लौटे तो झोपड़ी राख बन चुकी थी। घटना बृजथाना क्षेत्र के इटवांखास गांव में शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे की है। खेत के आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद नायब तहसीलदार शशिकांत दुबे पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों संदीप (3) और अंकित (2) के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। झोपड़ी में आग कैसे लगी, इस बारे में अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बच्चे सो रहे थे और आग लग गई: सुबह करीब 7 बजे देसु आदिवासी (30) और उसकी पत्नी अपने दोनों बच्चों को खेत पर बनी झोपड़ी में सोता छोड़कर जंगल में लकड़ी बीनने गए थे। वह दोनों लकड़ी लेकर करीब 10:30 बजे लौटे तो उन्हें झोपड़ी जलकर खाक मिली। यह देख पिता देसु जोर-जोर से चिल्लाने लगा। आवाज सुनकर आसपास खेत पर काम कर रहे लोग पहुंच गए। इसकी सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने शव का पंचनामा कराया है।

खेत पर बटाई का काम करता है पिता: अमानगंज थाना क्षेत्र के रतनपुरा गांव निवासी देसु आदिवासी अपने परिवार के साथ ओमप्रकाश बाजपेई के खेत पर बटाई पर काम करता था। फसल की रखवाली के लिए खेत की मेड़ पर घास की झोपड़ी बनाकर रह रहा था। पटवारी रघुनाथ बागरी ने बताया कि आज सुबह इतवांखास गांव में जमीन की रखवारी कर रहे देसु आदिवासी के दो बालक आग की चपेट में आ गए। दोनों मृत मिले हैं। नायाब तहसीलदार और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है, जांच चल रही है।

6.70 लाख का ट्रक कबाड़ में कटवाया

मालिकाना हक के विवाद में विक्रेता ने कबाड़ी को दिया ट्रक

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां मालिकाना हक के विवाद में एक 12 चक्का ट्रक को कबाड़ में कटवा दिया गया।

अमलाई थाना पुलिस के अनुसार, ओपीएम अमलाई ईंटा भट्ठा निवासी आसिफ खान ने एक वर्ष पूर्व पिंटू उर्फ शंभूनाथ मिश्रा से 6 लाख 70 हजार रुपए में एक ट्रक खरीदा था। सौदे में 30 हजार रुपए नकद देकर ट्रक अपने नाम करवा लिया और शेष राशि किश्तों में चुका रहा था। 20 जनवरी को फॉरेस्ट कॉलोनी के पास से ट्रक अचानक गायब हो गया।

जांच में पता चला कि विवादित ट्रक को शहडोल के मुन्ना कबाड़ी के यहां कटवाया जा रहा था। सूचना मिलते ही अमलाई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अधकटे ट्रक को जब्त कर लिया और उसे सोहागपुर पुलिस की कस्टडी में रख दिया।

शहडोल एसपी रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों की शिकायतें मिली हैं। विक्रेता का कहना है कि उसे ट्रक का पूरा भुगतान नहीं मिला, जबकि क्रेता का आरोप है कि उसकी गाड़ी को बिना पूछे उठाकर कबाड़ी को दे दिया गया। पुलिस ने अनधिकृत रूप से ट्रक काटने के प्रयास के लिए पिंटू शर्मा और कबाड़ी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नर्मदा महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा

अमरकंटक में धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय, शोभायात्रा से लेकर महाआरती तक की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। महत्व का प्रतीक है, जिसमें नर्मदा जयंती के दौरान पूरे अमरकंटक को भक्तिमय वातावरण में सजाया जाएगा।

कलेक्टर ने महोत्सव के प्रमुख आयोजनों की समीक्षा की। इनमें शोभायात्रा, महाआरती और साधु-संतों के सम्मान समारोह शामिल हैं।

स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। महोत्सव को भव्य बनाने के लिए अमरकंटक में विशेष साफ-सफाई, लेजर लाइट और साउंड शो की व्यवस्था की जाएगी।

कार्यक्रम में कन्या पूजन और कन्या भोज के आयोजन को विशेष महत्व दिया गया है, जिसके लिए नोडल अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा, स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी और पर्यटकों के लिए एडवेंचर और ट्रैकिंग गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को इन गतिविधियों के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

झोपड़ी में मिली व्यक्ति की लाश, दो दिन से था लापता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के चुरहट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत डीहुली में एक झोपड़ी से व्यक्ति की लाश बरामद हुई है। मृतक की पहचान अशोक कुमार पटेल (50) पिता राम सुमिरन पटेल के रूप में हुई है।

शुक्रवार सुबह लगभग 5 बजे ग्रामीणों को यादव परिवार की झोपड़ी में अशोक कुमार पटेल की लाश मिली। मृतक पिछले दो दिनों से अपने घर नहीं लौटे थे और इसी झोपड़ी में रह रहे थे। अशोक दमा के मरीज थे और हाल ही में उनका इलाज कराया गया था। जिसके बाद उनकी स्थिति में सुधार भी हुआ था।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

पत्नी और 3 वर्षीय बच्चा घायल, शादी से घर वापस लौट रहा था परिवार

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में गुरुवार रात एक ट्रक ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और 3 वर्षीय बच्चा घायल हो गए। हादसा ईशानगर थाना क्षेत्र के ग्राम निवारिया के पास हुआ। शुक्रवार सुबह मृतक का पोस्टमॉर्टम किया गया। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान धर्मेंद्र सेन (28) के रूप में हुई है, जो सागर रोड थाना सिविल लाइन का निवासी था। उसकी पत्नी लवली सेन (25) और बच्चे को मामूली चोट आई है। घटना के वक्त धर्मेंद्र अपने परिवार के साथ खरगापुर में एक रिश्तेदार के इंगेजमेंट से लौट रहा था। इसी दौरान उनकी बाइक को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि धर्मेंद्र की गर्दन में गंभीर चोट लग गई। वहीं से गुजर रहे एक राहगीर ने घायलों को देखा और अपनी गाड़ी से तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इमरजेंसी में डॉ. तौसीफ रजा ने धर्मेंद्र को मृत घोषित कर दिया।

विचार

दिल्ली में मुफ्त चुनावी उपहारों के शोर में असल मुद्दे दब कर रह गये हैं

अक्सर आपने देखा होगा कि किसी राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक और सामाजिक समीकरण हावी हो जाते हैं लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में हालात एकदम अलग हैं। विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में राजनीतिक चर्चा में ''मुफ्त उपहारों'' की चर्चा हावी है जिससे प्रदूषण, कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अपराध और बुनियादी ढांचा सहित अन्य प्रमुख मुद्दे पीछे रह गए हैं। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और महिलाओं के लिए निःशुल्क सार्वजनिक परिवहन पहल पर जोर देते हुए ''रेवड़ी पर चर्चा'' जैसे अभियानों का नेतृत्व कर रही है। इसने नयी योजनाओं की भी घोषणा की है, जिनमें महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये देने के वादे के साथ मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और बुजुर्गों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल संबंधी संजीवनी योजना शामिल है।

कांग्रेस ने जवाब में 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की है जिसके तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने की बात कही गई है। इसने 25 लाख रुपये तक की बीमा कवरेज का वादा करते हुए 'जीवन रक्षा योजना' की घोषणा भी की है। वहीं भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र के दो चरण अब तक जारी किये हैं जिनमें हर वर्ग के लिए योजनाओं की भरमार है। देखा जाये तो इन मुफ्त योजनाओं को एक बार 'मुफ्त की रेवड़ी' करार देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी दिल्ली के लोगों को आश्वस्त करना पड़ा है कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो इस तरह की योजनाएं जारी रखी जाएंगी।

इस बीच, मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहारों की घोषणाओं के चलते दिल्ली में वायु प्रदूषण जैसा महत्वपूर्ण मुद्दा गौण हो गया है। हालांकि राजधानी के ज्यादातर निवासियों ने गंभीर स्वास्थ्य खतरा बने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस कार्य योजनाओं की कमी पर चिंता जताई है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले साल नवंबर में 490 के अंक को पार कर गया, जो ''अत्यंत गंभीर'' श्रेणी में आता है। जहरीली हवा के कारण अनेक लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, यमुना नदी में अमोनिया के उच्च स्तर के कारण पूरे शहर में पानी की कमी भी देखी गई क्योंकि जलशोधन संयंत्र पानी का शोधन करने में असमर्थ थे। यही नहीं, खराब जल निकासी के चलते दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की डूबने से मौत को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में आक्रोश देखा गया था।

बहरहाल, देखा जाये तो मुफ्तखोरी की संस्कृति को बढ़ावा देने की वजह से शासन एवं नीति-निर्माण पंगु हो गये हैं। अपने अब तक के कार्यकाल में आम आदमी पार्टी की सरकार ने रोजगार सृजन और संविदा कर्मचारियों के लिए समाधान खोजने जैसे अन्य प्रमुख मुद्दों की अनदेखी की है। आम आदमी पार्टी ने मुफ्त योजनाओं की जो आदत जनता को लगाई है उसको देखते हुए अन्य पार्टियां भी इसी नीति पर चलती नजर आ रही हैं। यह नीति राजनीतिक दलों को सत्ता तो दिला देगी लेकिन सरकारी खजाने को और राज्य की आर्थिक सेहत को खासा नुकसान पहुँचाएगी।

नक्सलियों के खिलाफ चल रही निर्णायक मुहिम के मिलने लगे हैं बेहतर नतीजे

कमलेश पांडे

आमतौर पर नसली, आतंकवादी और अंडरवर्ल्ड के मास्टरमाइंड अपने पूरे जमात के साथ भारतीय गणतंत्र के लिए चुनौती समझे जाते हैं। इसलिए सुरक्षाबलों ने 76वें गणतंत्र दिवस से महज कुछ दिन पहले नसलियों के खिलाफ जो निर्णायक कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय ऑपरेशन चलाए हैं और एक दर्जन से ज्यादा नसलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है, वह तिरंगे और संवैधानिक गणतांत्रिक व्यवस्था को सच्ची सलामी है। इसलिए देशवासियों की अपेक्षा है कि सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई और अधिक तेज होनी चाहिए, योंकि ऐसा करके ही हम उनके नापाक हौसले को तोड़ सकते हैं।

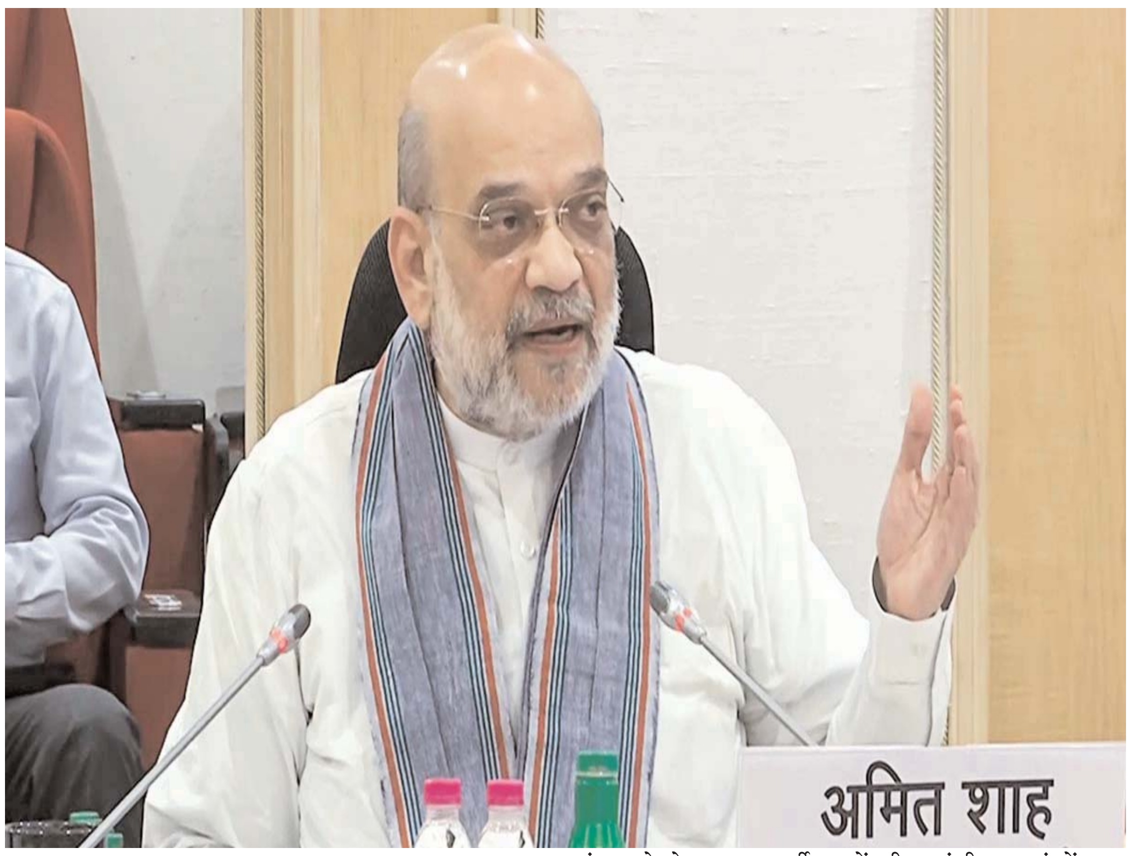

देखा जाए तो चाहे अंतर्राष्ट्रीय थल या समुद्री सीमा से सटे प्रदेश हों या हमारे आंतरिक प्रदेश, यहां पर नक्सलियों, आतंकवादियों और अंडरवर्ल्ड सरगनाओं की मौजूदगी और उनके मार्फ़त जब-तब होते रहने वाली हिंसात्मक घटनाएं एक ओर जहां शासन व्यवस्था और अमनपसंद लोगों को मुंह चिढ़ाती हैं, वहीं दूसरी ओर धनी लोगों के भयादोहन का कारण भी बनती हैं। चूंकि अवैध मानव व वस्तु तस्करी, ड्रग्स सिंडिकेट, अवैध हथियारों के कारोबार, फिरौती, विवादास्पद सम्पत्तियों की खरीद-फरोख्त आदि से इनके तार जुड़े होते हैं, इसलिए सफेदपोश नेताओं-समाजसेवियों-कथित अधिकारियों-उद्योगपतियों आदि के माध्यम से इनके सरगना भी परस्पर मिले हुए होते हैं।

आम धारणा रही है कि इनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई इसलिए भी नहीं हो पाती है, क्योंकि क्षेत्रीय दलों और स्थानीय नेताओं से इनकी गुप्त सांठगांठ रहती है! और यही इनके तार कथित राष्ट्रीय नेताओं और अर्बन नक्सलियों-अपराधियों-आतंकवादियों के सिंडिकेट तक से जोड़ते हैं। यही वजह है कि प्रशासन भी सियासी कारणों के चलते इनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई नहीं कर पाता है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, पंजाब से लेकर उत्तर-पूर्वी राज्यों की आतंकी घटनाएं हों, या झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र व बिहार की नक्सली घटनाएं, या फिर बड़े महानगरों से लेकर जिलास्तरीय शहरों की अंडरवर्ल्ड वारदातें, इनके तार परस्पर जुड़े बताए जाते हैं।

कहना न होगा कि इनमें से कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की मजबूती के पीछे भी इनकी राष्ट्रविरोधी सोच होती हैं, जिन्हें बरास्ता नेपाल, पाकिस्तान व चीन का भी संरक्षण हासिल होता है। वहीं, कांग्रेस समेत कई बड़े क्षेत्रीय दल भी इनके नेक्सस के समक्ष घुटने टेक चुके हैं। जबकि इन सभी बातों से उलट केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रवादी भाजपा नीत एनडीए की सरकार और उड़ीसा-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की भाजपा प्रदेश सरकारों की संगठित अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति से प्रोत्साहित होकर सुरक्षा बलों ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त रणनीति बनाकर नक्सलियों-दुर्दांत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का जो बीड़ा उठाया है, उसकी एक झलक ताजा कार्रवाई से मिलती है।

गौरतलब है कि भारत में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान को एक और बड़ी सफलता तब मिली, जब गत दिनों ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल छत्तीसगढ़ के एसओजी (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) और ओडिशा पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान 14 नक्सलियों को मार गिराया गया। इस कार्रवाई में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की ओर से की गई त्वरित और रणनीतिक कार्रवाई को एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इस ऑपरेशन में बड़ी संख्या में हथियार और बाकी सामग्री भी बरामद की गई जो नक्सली गतिविधियों को और बढ़ावा दे रही थी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा बलों के इस संयुक्त ऑपरेशन में नक्सल आंदोलन का एक प्रमुख सरगना, जयराम चलपती को ढेर किया गया। क्योंकि जयराम को नक्सली हिडमा का गुरु माना जाता था और नक्सली गतिविधियों में उसकी अहम भूमिका थी। जयराम पर 1 करोड़ रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। क्योंकि सुरक्षा एजेंसियों के लिए जयराम की तलाश एक बड़ी चुनौती थी। ऐसा इसलिए कि वह नक्सलवादी समूहों के लिए एक अहम रणनीतिक सोच के रूप में काम करता था। उसकी मृत्यु से न केवल छत्तीसगढ़ और ओडिशा बल्कि पूरे देश में नक्सलवादी आंदोलन को एक बड़ा झटका लगा है।

बताया जाता है कि इस ऑपरेशन को सफल बनाने में छत्तीसगढ़, ओडिशा और तेलंगाना की राज्य सरकारों ने अहम भूमिका निभाई है। इन तीनों राज्यों की पुलिस और सुरक्षा बलों ने मिलकर जयराम और उसके साथी नक्सलियों के खिलाफ लंबे समय से सख्त अभियान चलाया था। यही वजह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्वीट कर इस सफलता पर बधाई दी और सुरक्षा बलों की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये नक्सल मुक्त भारत के लक्ष्य की दिशा में एक और अहम कदम है।

बता दें कि भारत सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि देश को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त किया जाए। ये ऑपरेशन उस दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है जो सुरक्षा बलों और सरकार के प्रयासों से नक्सलवाद के खात्मे की ओर बढ़ रहा है। समझा जा रहा है कि जयराम की मौत के बाद अब नक्सलियों के मनोबल को भारी झटका लगेगा और उन्हें पुनः अपनी ताकत को संगठित करना मुश्किल होगा। सुरक्षा बलों की ये सफलता न केवल एक बड़ी सैन्य जीत है बल्कि ये देश के नागरिकों के लिए एक संदेश भी है कि नक्सलवाद का खात्मा अब बिल्कुल नजदीक है।

बता दें कि एक साल पहले गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के रोडमैप को जो हरी झंडी दी थी, उसके तहत एनआईए ने नक्सलियों के खिलाफ कुल 96 मामलों की जांच कर रही है। उनकी राजनीतिक इच्छा शक्ति और सटीक रणनीति का ही यह तकाजा है कि हाल ही में 14 नक्सली एक मुठभेड़ में मारे गए हैं। उल्लेखनीय है कि एक साल पहले 21 जनवरी 2024 को गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में छत्तीसगढ़ के शीर्ष नेतृत्व एवं सुरक्षा बलों के प्रमुखों के साथ बैठक की थी, जिसमें नक्सलवाद को खत्म करने के रोडमैप को हरी झंडी दी थी। वहीं, छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के विपरीत नवनियुक्त विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इस रोडमैप को अमली जामा पहनाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित की, जिसका बेहतर नतीजा सबके सामने है।

गौरतलब है कि नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए बनाए गए अमित शाह के रोडमैप में तीन अहम बिंदू हैं। पहला, नक्सलियों के कोर इलाके में सुरक्षा बलों की अग्रिम चौकियां स्थापित कर सुरक्षा गैप को भरना, दूसरा, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून का इस्तेमाल कर ईडी की मदद से नक्सलियों को मिलने वाली फंडिंग के स्त्रोत को पूरी तरह से बंद करना, और तीसरा गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून का इस्तेमाल पर नक्सली गतिविधियों में शामिल आरोपियों के खिलाफ एनआईए की जांच कराकर कड़ा सजा सुनिश्चित करना। कहना न होगा कि तीनों ही फ्रंट में राज्य प्रशासन के सहयोग से बेहतरीन काम हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 2019 के बाद सुरक्षा बलों की 290 अग्रिम चौकियां स्थापित की गईं, जिनमें अकेले साल 2024 में 58 अग्रिम चौंकियां स्थापित करना शामिल हैं। वहीं, इस साल 2025 में सुरक्षा बलों की कुल 88 अग्रिम चौकियां स्थापित करने का लक्ष्य है। इसके अलावा, राज्य सरकारें, ईडी और एनआईए ने नक्सल फंडिंग से जुड़ी 72 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की है।

जनवरी में दीपावली मनाता जनजातीय ग्राम मेंढापानी

प्रवीण गुगनानी

भारतीय पशुधन प्रेम अद्भुत कथा है यह! सौ प्रतिशत जनजातीय एवं अनुसूचित जाति की जनसंख्या वाले मेंढापानी ग्राम (बैतूल) की यह कथा अविश्वसनीय भी है! अविश्वनीय इसलिए, कि अपने देश के जनजातीय बंधु, अपने होली-दीपावली के पर्वों से किसी प्रकार का समझौता नहीं करते। वे अपने इन उत्सवों को डूबकर, रसमय होकर मनाते हैं और इन त्योहारों को जीते हैं। ये जनजातीय त्यौहारों को स्वयं में समाहित कर लेते हैं।

वैसे तो देश भर में जनजातीय समाज का दीपावली उत्सव बड़ा ही विशिष्ट व उल्लेखनीय होता है किंतु गोंडवाना के जनजातीय समाज की दीपावली का तो कहना ही क्या!! इनके जीवन में दीपावली व होली का त्यौहार केवल आता नहीं है, आकर ठहर जाता है! इनके चौक, चौपालों, खारी, ढानी, बाजारों, टोलों, टपरों, मठ, मुठिया, मेलों, ग्रामों में और, उससे भी बढ़कर इनके हृदय में दीपावली ठहर जाती है! हाँ, ये वनवासी बंधु, त्योहारों को हृदय में धारते हैं और उसे उतार लेते हैं अपने अन्तर्तम तक। होली, दीवाली को मनस्थ और तनस्थ कर लेने का ही प्रभाव होता है कि बैतूल जिले का जनजातीय समाज एक मास तक इन त्योहारों को सतत मनाता ही रहता है। इस मध्य वह कोई काम नहीं करना चाहता। इस मध्य उसे आप कितनी भी अधिक मजदूरी का, वेतन का लालच दे दो; वह नहीं आयेगा काम पर! इनकी होली, दीवाली केवल अपने ही परिवार में, मोहल्ले में या ग्राम में नहीं मनती है। ये जनजातीय बंधु, उस क्षेत्र में स्थित प्रत्येक ग्राम में एक दूसरे के गाँव में जाकर घर में रात्रि विश्राम करके ही दीवाली मनाते हैं। सभी एक दूसरे के गाँव में जाते हैं और भव्य आतिथ्य का आनंद लेते हैं।

तो आते हैं, बैतूल जिले के एक विशुद्ध जनजातीय व अनुसूचित जाति वाले गाँव, मेंढापानी की कहानी पर। मेंढापानी में लगभग तीन सौ पचास घर हैं, सभी घर या तो जनजातीय बंधुओं के हैं या अनुसूचित जाति बंधुओं के। दोनों की जीवन शैली लगभग वनवासी ही है।

लगभग तीन वर्ष पूर्व कोविड महामारी के दिनों के आसपास ही भारत के कुछ प्रदेशों में पशुधन को लंपी वायरस नामक एक बीमारी ने घेर लिया था। बैतूल में भी एक सौ चौबीस ग्रामों में यह बीमारी फेल गई थी। हजारों गाय, बैल, भैंसों को लंपी वायरस ने अपना शिकार बना लिया था। इन्हीं दिनों में मेंढापनी में भी सैकड़ों गाय, बेल, भैंस आदि पशु लंपी से ग्रसित होकर गोलोकवासी हो गए थे। वह दीपावली के एन पूर्व का सितंबर का माह था; वर्ष था, 2022 ! मेंढापानी के निवासी अपने प्रिय पशुधन के असमय व बड़ी संख्या में निधन से इतने दुखी हुए कि इन्होंने अपने सबसे बड़े, सबसे प्रिय, सबसे सुंदर त्यौहार दीपावली को ही त्याग दिया। जब आसपास के ग्रामवासियों को यह बात पता चली तो पंचायत बैठी और पंचायत ने, शोकग्रस्त मेंढापानी वासियों से दीपावली मनाने का आग्रह किया। तब तक जनवरी, 2023 आ चुका था। इस प्रकार, अक्टूबर-नवंबर की दीपावली मेंढापानी में पहली बार जनवरी में मनाई गई। लंपी वायरस के विदा होने पर ही जनवरी, 2023 में मेंढापनी निवासियों ने दीपावली मनाई थी। अपने दिवंगत पशुधन के प्रति मेंढापानी के ग्रामीण बंधुओं का शोक यहाँ भी रुका

नहीं, उन्होंने तीन वर्षों तक उनका प्रियतम दीपावली का पर्व जनवरी में मनाने का निर्णय लिया। अपने दिवंगत पशुधन के प्रति शोक प्रकट करने का उनका यह अपना तरीका था।

यह अंतिम वर्ष था जब मेंढापानी निवासियों ने दीपावली का पर्व कार्तिक मास में न मनाकर, जनवरी में मनाया था। इस वर्ष मेंढापानी के ग्रामवासियों के आग्रह पर उनकी इस जनवरी माह वाली दीपावली में सम्मिलित होने का अवसर मुझे भी मिला। आड़ा-टेढ़ा, जैसा भी सही पर इन वनवासी बंधुओं के साथ नृत्य करने में मुझे भी बड़ा आनंद आया। मेंढापानी के निवासियों संग चाय पर चर्चा भी हुई और उनके संग सहभोज का भागी भी बना! बड़ा ही अद्भुत, उमंग, उल्लास व उत्साह से भरा वातावरण था समूचे गाँव का। भले ही छोटे-छोटे घर-आँगन होंगे मेंढापानी के निवासियों के, किंतु उनके दिल के जैसे ही, घर में भी लोग समाते ही चले जा रहे थे। एक-एक घर में तीस-तीस चालीस-चालीस मेहमान थे। प्रत्येक घर के सामने आठ-दस बाइक्स तो अनिवार्य रूप से खड़ी ही थी। किसी भी मोटरसाइकिल पर तीन से कम लोग तो आए ही नहीं थे। फटफटी पर चार लोगों को बैठा लेना तो इन ग्रामीणों के लिए बड़ी ही सामान्य सी बात है। पूरा गांव मेले के वातावरण में, गीत, संगीत, नृत्य, चाय-पानी, भोजन के क्रम में डूबा हुआ सा और सराबोर सा झूम रहा था। बस एक कमी खल रही थी कि यहाँ वहाँ ऊँचे स्वर में बजने वाले संगीत में उनके अपने जनजातीय गीत और नृत्य ग़ायब थे। फिल्मी गीतों और डीजे के शोर ने पारंपरिक गीतों व नृत्य के स्वरों को दबा दिया था। यह दुखद लगा। शेष सभी कुछ बड़ा ही आनंदित कर देने वाला था! युवक युवतियां तो अपनी झूम में थे ही, बड़े और वृद्ध भी अपने पूरे रंग में दिख रहे थे। सभी ने एक से एक रंग बिरंगे, चटकीले रंगों वाले कपड़े पहने हुए थे। युवक-युवतियों के माथे पर डिस्को इलेक्ट्रानिक बल्बों से जलने वाले बकल झिलमिला रहे थे। इन रंगीन लाइटिंग में उनके चेहरे के साज सिंगार को और अधिक चमक और उत्साह मिल रहा था। युवक-युवतियाँ संग-संग हाथों में हाथ थामे घूम रहे थे, नाच रहे थे। निश्चित ही मेंढापानी में इस मेले के दिन पच्चीस-पचास रिश्ते तो तय हुए ही होंगे। मुझे अपने मध्य पाकर ग्रामवासी बड़े ही प्रसन्न हुए, उन्होंने बड़े ही हृदय से स्वागत किया। मैंने भी अवसर छोड़ा नहीं और बहुतेरी बातें की।

3 नाइजीरियन स्टूडेंट्स ने करोड़ों ठगे

पैसे देश के बाहर भेजे, किसी दूसरे के अकाउंट से लेनदेन करते थे, 62 अन्य भी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए रायपुर रेंज में साइबर शील्ड ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसके तहत एक बड़ी कामयाबी पुलिस को मिली है। 3 नाइजीरियन स्टूडेंट करोड़ों की ठगी के आरोपी निकले। ये तीनों रायपुर की ही निजी यूनिवर्सिटी में पढ़ते हैं।

इन तीनों विदेशी छात्रों ने ठगी के पैसे भी देश से बाहर भेजे। पुलिस ने साइबर फ्रॉड के अलग-अलग मामलों में 8 महिलाओं समेत 62 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। आईजी अमरेश मिश्रा ऑपरेशन शील्ड चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार म्यूल बैंक अकाउंट की जांच के बाद एक्शन लिया गया है।

अकाउंट मालिक को मंथली या कमीशन बेसिस पर रुपए: मिश्रा ने बताया- हमें जानकारी मिली थी कि इनमें से ज्यादातर अकाउंट दूसरे लोग साइबर ठगी के पैसों के लेनदेन के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके बदले वे लोग अकाउंट मालिक को मंथली या कमीशन बेसिस पर पैसे दिया करते थे। पुलिस ने इन आरोपियों की लोकेशन और टेक्निकल इनपुट के आधार पर धरपकड़ शुरू की।

पुलिस जांच में रायपुर के एक निजी यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे 3 विदेशी नाइजीरियन स्टूडेंट भी ठग निकले। आईजी के मुताबिक, इन्होंने ठगी के रुपए विदेशों में भी भेजे थे। पुलिस ने बशीर सुलेमान, अमीनू गरबा, अब्दुल अजीज को हॉस्टल से गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने दूसरे राज्यों से भी गिरफ्तारी की है।

अलग-अलग मामलों में अलग-अलग भूमिका निभाने वाले राजस्थान, ओडिशा समेत छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव और महासमुंद से भी आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में ऐसे कई लोगों से पूछताछ की जा रही है, जिन्होंने ठगों को कमीशन बेसिस पर अपने खाते उपलब्ध करवाए थे।

देशभर के थानों में इनसे जुड़े 1435 केस दर्ज: इन आरोपियों ने बैंक अकाउंट खुलवाने, फर्जी शेयर ट्रेडिंग, क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट, गूगल रिव्यू टास्क, टेलीग्राम टास्क, बैंक केवाईसी के बहाने लोगों से ठगी की। जिसकी 1435 शिकायतें अलग-अलग राज्यों की पुलिस के पास पहुंची।

इस मामले में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की 20 टीमें बनाकर पुलिस ने कई अलग-अलग ठिकानों पर रेड मारी। पुलिस ने आरोपियों के खाते में करीब 2 करोड़ रुपए होल्ड कराए हैं। आरोपियों ने करीब 85 करोड रुपए ठगी की।

कलेक्ट्रेट परिसर में "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" के अवसर पर सभी अधिकारी कर्मचारियों को दिलाई गई शपथ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय के प्रांगण में "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" के अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मतदान के प्रति अपनी जिम्मेदारी और लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से निर्वाचन प्रक्रिया में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से मताधिकार का प्रयोग करने का संकल्प दिलाया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को मनाया जाता है, पर 25 जनवरी 2025 को शासकीय अवकाश पढ़ जाने के कारण इस वर्ष 24 जनवरी को ही राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। जिसका उद्देश्य नागरिकों को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक करना था । जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे हमें पूरी निष्पक्षता से निभाना चाहिए। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को यह शपथ दिलाई कि चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता और स्वच्छता बनाए रखेंगे। शपथ के दौरान सभी ने यह संकल्प लिया कि वे चुनावों में किसी भी प्रकार की अनियमितता से दूर रहेंगे और लोकतंत्र की ताकत को समझते हुए अपने मत का उपयोग करेंगे। इस शपथ समारोह में विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

शराबी युवकों ने गार्ड को कार से उड़ाया, 10 फीट उछलकर दूर जा गिरा गार्ड, हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। भिलाई के स्मृति नगर में चार शराबी युवकों ने ग्रीन वैली अपार्टमेंट में गेट खोल रहे सिक्योरिटी गार्ड को कार से उड़ा दिया। कार से टक्कर में गार्ड 10 फीट उछलकर दूर जा गिरा। इसमें गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। गार्ड के सिर पर गंभीर चोटें आई है। आनन-फानन में गार्ड को अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां गार्ड जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। इधर, स्मृति नगर पुलिस चारों युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

इस घटना की सीसीटीवी फुटेज में सामने आई है। जिसमें साफ देखा जा सकता है कि पहले एक बाइक पर दो युवक अपार्टमेंट के अंदर आते हैं तब गार्ड ने गेट खोला और उन्हें आने दिया। थोड़ी देर बाद एक और बाइक वाला अपार्टमेंट के अंदर आता है तो गार्ड ने उसके लिए भी गेट खोला।

गार्ड की हालत गंभीर: इसी दौरान पीछे से आ रही एक कार तेज रफ्तार को देख गार्ड ने गेट को खोल ही रहा था, तभी कार चालक ने गेट को तेजी से टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गया। जिसमें गार्ड दूर जा गिरा। इस हादसे में गार्ड बुरी तरह घायल हो गया। जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती किया गया। बताया जा रहा है कि गार्ड के सिर में चोटें आई है। गार्ड की हालत गंभीर बताई जा रही है।

चलती कार में लगी आग, सर्विसिंग कराकर लौट रहे थे, अचानक आग लगी तो 2 लोगों ने कूदकर बचाई जान

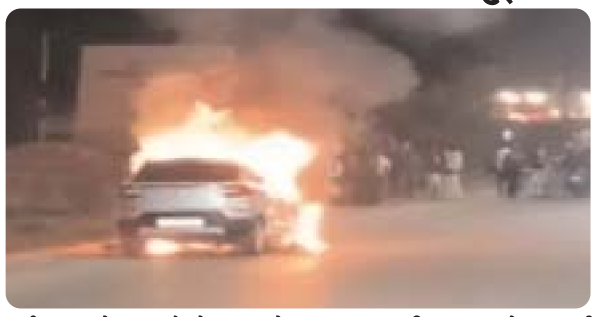

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर गुरुवार देर शाम चलती कार में आग लग गई, जिससे उसमें सवार दो लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। इसके चलते बड़ा हादसा टल गया। नई कार की सर्विसिंग कराकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई, जब तक आ आग को काबू में किया गया, तब कार जलकर खाक हो गई थी। घटना चकरभाठा थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, ग्राम कया निवासी राजेंद्र कुमार शर्मा ने कुछ समय पहले ही कार खरीदी थी। गुरुवार को उन्होंने अपनी कार को सर्विसिंग के लिए दिया था। जिसके बाद देर शाम करीब 7 बजे कार को लेकर अपने दोस्त के साथ घर लौट रहे थे। अभी उनकी कार परसदा स्थित एलसीआईटी के पहले पहुंचे थे। अचानक कार के अंदर से आवाज आई और सामने इंजन से धुंआ उठने लगा।

कूद कर बचाई जान, दमकल की मदद से बुझाई आग: देखते ही देखते आग की लपटें भीतर तक आने लगी। अचानक कार के अंदर धुआं उठते देखकर उन्होंने रोड किनारे कार खड़ी की। लेकिन, तब तक कार के अंदर आग जलने लगी थी। दोनों ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। जिसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी, तब कुछ ही देर में दमकल पहुंच गई। दमकल की मदद से 30 मिनट में आग पर काबू पाया गया।

धू-धूकर जलकर खाक हो गई कार: इस दौरान आग की लपटें तेज हो गई और कार धू-धूकर जलने लगी। जब तक दमकल मौके पर पहुंची, कार पूरी तरह से जल गई थी। दमकलकर्मियों ने पानी की बौछारें मार कर आग को बुझा लिया। बताया जा रहा है कि वायरिंग में शार्ट सर्किट के चलते कार में आग लगी है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि नई कार में अचानक कैसे शार्ट सर्किट हो गई।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर चनवारी डांड में महिलाओं ने दिखाया जागरूकता का अद्भुत जज्बा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ जिले के ग्राम पंचायत चनवारी डांड में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर "सोनहा बिहान महिला संकुल संगठन" के स्वसहायता समूह की दीदियों ने मतदाता जागरूकता अभियान को बेहद सफलतापूर्वक अंजाम दिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने रंगोली, गेम, रैली और शपथ के माध्यम से लोगों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस अभियान में महिलाओं की भागीदारी अद्वितीय रही जिन्होंने अपनी रचनात्मकता से मतदाता जागरूकता के संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाया। रंगोली के जरिए जहां उन्होंने मतदान का संदेश दिया, वहीं गेम और शपथ के जरिए लोगों को उनके अधिकार और कर्तव्यों के प्रति प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ से सहायक विकास विस्तार अधिकारी मंजुला कौरव, तकनीकी सहायक सायना बी, अपर्णा शिवहरे और सोनहा बिहान संकुल संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिलासपुर के तालाब में मिली मुंगेली के युवक की लाश

4 दिन से लापता था ज्वेलरी दुकान का गार्ड, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में सराफा दुकान में काम करने वाले युवक की लाश तालाब में मिली है। वो चार दिन पहले अपने घर से निकला था, जिसके बाद वापस नहीं आया। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी का केस दर्ज कराया था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। घटना मुंगेली जिले के सरगांव थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, सरगांव के वार्ड क्रमांक-15 निवासी प्रशांत पाठक उर्फ निक्कू (32) बिलासपुर में ज्वेलरी दुकान में गार्ड का काम करता था। वो रोज गांव से आना जाना करता था। 20 जनवरी को प्रशांत ज्वेलरी दुकान जाने के लिए निकला था, जिसके बाद घर वापस नहीं आया।

युवक की तलाश कर रहे थे परिजन: युवक के घर नहीं आने से परिजन परेशान थे। उन्होंने पहले उसकी तलाश की। इस दौरान परिचितों और दोस्तों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। लेकिन, उसका कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले में गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच कर रही थी।

तालाब में मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका: शुक्रवार को गांव के भोइना तालाब में लोगों ने युवक की लाश देखी। शव तालाब में पानी के अंदर था। पहले उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। जब लोगों की भीड़ जुटी तब उसकी पहचान प्रशांत के रूप में की। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

खबर मिलते ही पुलिस भी गांव पहुंच गई। शव का पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। इधर, परिजनों ने उसकी हत्या कर शव को तालाब में फेंकने की आशंका जताई है। फिलहाल, पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

नर्सिंग होम में काम करती है मां: मृतक प्रशांत की मां सुनिला पाठक नर्सिंग का काष करती है। घर में उसका भाई बादल पाठक भी है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया युवक के पानी में डूबने से मौत होने की आशंका है। शव का पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के स्पष्ट कारणों का पता चल सकेगा।

फांसी पर लटका 7वीं का छात्र, चाकू-बीयर की बोतलें मिलीं

टॉयलेट जाने बोलकर घर से निकला था, कोरबा में रातभर खोजते रहे परिजन

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 7वीं के छात्र की फंदे पर लटकी लाश मिली है। डेडबॉडी के पास खाली बीयर की बोतलें, पानी पाउच और एक चाकू भी मिला है। इस इलाके में शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा भी रहता है। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र के कृष्णा नगर का है।

मिली जानकारी के मुताबिक छात्र का नाम अनुराग श्रीवास (14) है। मृत छात्र के पिता का नाम रामचंद्र श्रीवास है। छात्र गुरुवार शाम को अचानक लापता हो गया था। परिवार के लोग रातभर खोजते रहे, लेकिन वह नहीं मिला।

टॉयलेट जाने के बहाने घर से निकला था छात्र: छात्र के पिता रामचंद्र श्रीवास ने बताया कि वह टॉयलेट जाने के नाम से घर से निकला था। जब काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो उसकी तलाश शुरू की। रात में ही मानिकपुर चौकी में इसकी सूचना दी गई थी। पुलिस भी रातभर बच्चे को खोजती रही, लेकिन नहीं मिला।

नाले के किनारे पेड़ से लटका मिला: परिजनों ने बताया कि उन्हें शुक्रवार सुबह पुलिस से जानकारी मिली कि अनुराग नाले के किनारे एक पेड़ पर फंदे से लटका है। इसके बाद आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। छात्र की मौत कब, कैसे और किन परिस्थिति में हुई है समझ से परे है।

मामले की जांच कर रही पुलिस: मानिकपुर चौकी प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि राहगीरों ने पेड़ पर छात्र की लाश देखकर सूचना दी थी। हमारी टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।? फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मौके से सबूत जुटा रही है।

पुलिस ने बताया कि पुलिस शराब और दोस्तों के एंगल से भी जांच कर रही है। फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है। साथ ही परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। जल्द मामले को लेकर खुलासा करेंगे।

बार काउंसिल में रजिस्ट्रेशन नहीं फिर भी दे सकेंगे एग्जाम

लॉ ग्रेजुएट के लिए जरूरी नहीं कि एडवोकेट हो, सिविल जज एग्जाम को लेकर दिया फैसला

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सिविल जज एग्जाम के लिए लॉ ग्रेजुएट स्टूडेंट का एडवोकेट होना जरूरी नहीं है। परीक्षा में वो कैंडिडेट्स भी शामिल हो सकते हैं, जो लॉ ग्रेजुएट हैं और सरकारी कर्मचारी हैं। इसके लिए बार काउंसिल में रजिस्ट्रेशन होना जरूरी नहीं है। डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि एक उम्मीदवार जो लॉ ग्रेजुएट है, वह एडवोकेट के तौर पर नामांकित है या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को सिविल जज की परीक्षा के आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को 24 जनवरी से एक महीने के लिए आगे बढ़ाने का भी आदेश दिया है।

दरअसल, मध्यप्रदेश के जबलपुर की रहने वाली विनीता यादव ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने बताया कि वो जबलपुर के रानी दुर्गावती कॉलेज से लॉ ग्रेजुएट की डिग्री ली हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा 2024 में शामिल होने के लिए फार्म जमा करना चाहती है।

याचिका में बताया कि याचिकाकर्ता वर्तमान में वह सरकारी कर्मचारी के रूप में कार्यरत है। साथ ही एडवोकेट एक्ट 1961 (संक्षेप में 1961 का अधिनियम) के तहत अधिवक्ता के रूप में उनका रजिस्ट्रेशन नहीं है। बार काउंसिल ऑफ इडिया के रूल्स के नियम 49 के तहत रजिस्ट्रेशन के बिना याचिकाकर्ता फार्म जमा नहीं कर पा रही है। एडवोकेट एक्ट 1961 के तहत बनाए गए इस नियम के तहत पूर्णकालिक सरकारी कर्मचारी होने के कारण उन्हें सिविल जज परीक्षा देने से वंचित होना पड़ रहा है।

एग्जाम देने से रोकना अवैधानिक है: इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच में हुई। इस दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से उनके एडवोकेट ने तर्क दिया कि किसी भी उम्मीदवार को मापदंड पूरा करने यानी शैक्षणिक अर्हता होने पर एग्जाम में शामिल होने से रोकना अवैधानिक है। किसी भी पूर्णकालिक व्यवसाय में लगे कैंडिडेट्स को भर्ती से वंचित नहीं किया जा सकता।

अर्हता पूरी करने पर एग्जाम से वंचित नहीं किया जा सकता: डिवीजन बेंच ने तर्कों को सुनने के बाद कहा कि याचिकाकर्ता को ऑनलाइन फार्म जमा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। क्योंकि, वह तय सभी मापदंडों को पूरा करती है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति भी दी है।

आवेदन जमा करने की तारीख बढ़ाने का आदेश: सिविल जज एग्जाम के लिए फार्म जमा करने की अंतिम तारीख 24 जनवरी तय किया गया था। इस केस की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को निर्देश देते हुए ऑनलाइन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि को एक महीने के लिए बढ़ाने कहा है। ताकि, जो भी वंचित उम्मीदवार हैं, वो ऑनलाइन फार्म जमा कर सके। इसमें ऐसे सभी आवेदकों को शामिल करने कहा है, जो 1961 के अधिनियम के तहत अधिवक्ता के रूप में नामांकित नहीं हैं।

मनेन्द्रगढ़ और भरतपुर में "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" के अवसर पर अधिकारी कर्मचारियों को दिलाई गई शपथ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर बड़े पैमाने पर शपथ ग्रहण समारोह और मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में पूरे जिले में मतदाता दिवस के महत्व को समझाने और नागरिकों को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम किए गए। मनेंद्रगढ़ विकासखंड के जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ में जनपद सीईओ वैशाली सिंह द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी ने अपने मतदान अधिकार का प्रयोग करने का संकल्प लिया और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा मनेन्द्रगढ़ नगर निगम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी मुक्ता सिंह चौहान ने नगर निगम के स्वच्छता दीदीयों के साथ सभी अधिकारी कर्मचारियों को शपथ दिलाई। यह शपथ समारोह मतदाता जागरूकता के महत्व को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम था, जिसमें कर्मचारियों ने मतदान में अपनी भागीदारी का संकल्प लिया। इसी तरह जिला पंचायत मनेंद्रगढ़ में डीपीएम सिमेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई । वहीं लोक निर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी नारायण सिंह पैकरा ने भी अपने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई, जिससे यह संदेश फैलाया गया कि सभी नागरिकों को अपने मतदान का अधिकार समझना और उसे जिम्मेदारी के साथ निभाना चाहिए।

इसके अलावा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ओमकार सिंह ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई। यह आयोजन नागरिकों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया था। मतदाता दिवस का उद्देश्य सिर्फ मतदान के महत्व को समझाना ही नहीं है बल्कि लोगों को यह प्रेरित करना भी है कि वे लोकतंत्र में अपनी भूमिका निभाएं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए मतदान के अधिकार का उपयोग करें। इसके साथ ही भरतपुर विकासखंड के ग्राम बरौता में "जाबो एमसीबी जागव वोटर" स्थानीय निर्वाचन के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर शपथ दिलाई गई । इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों में वोट देने के प्रति जागरूकता पैदा करना था। नोडल अधिकारी पवन सिंह के नेतृत्व में अधिकारी कर्मचारियों के साथ-साथ गांव के नागरिकों ने इस अभियान में सक्रिय भाग लिया। इस दौरान ग्रामीणों को मतदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" में नागरिकों को अपने मतदान कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने और चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया ।

मध्यप्रदेश ने देश में सबसे पहले लागू की ई-समन व्यवस्था

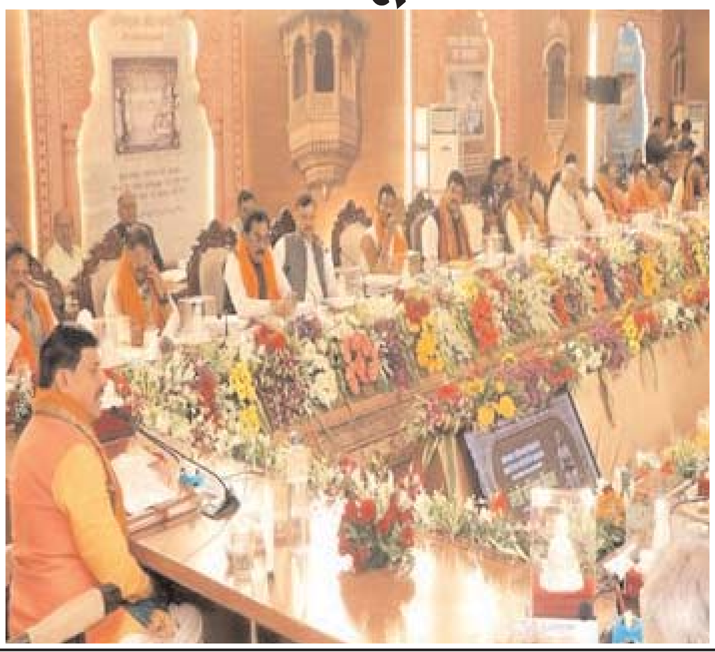

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती के उपलक्ष में मंत्रि-परिषद की बैठक का आयोजन माँ नर्मदा के किनारे होलकर शासकों की राजधानी रहे महेश्वर में किया गया। देवी अहिल्या माता हों या रानी दुर्गावती, दोनों ने ही विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध संघर्ष के साथ सुशासन स्थापित करते हुए नारी सशक्तिकरण के अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन के अनुसार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी सशक्तिकरण के चार स्तंभों पर आधारित व्यवस्था के अंतर्गत मंत्रि-परिषद की बैठक में महिला नीति संबंधित विषय पर महत्वपूर्ण निर्णय प्रस्तावित हैं। शराब, सामाजिक बुराई है, इससे पारिवारिक स्तर पर समस्याएं होने के साथ ही समाज में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होते हैं, पारिवारिक और सामाजिक हित में 19 धार्मिक नगरों और ग्राम पंचायतों में शराबबंदी के संबंध में निर्णय लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रि-परिषद के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रख्यात विधि विशेषज्ञ थे। उनकी जन्म स्थली महू में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय को सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। विश्वविद्यालय में विधि संकाय स्थापित करने के उद्देश्य से आधारभूत संरचनाओं के लिए 25 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकारी दी कि भोपाल में दिनांक 23 जनवरी को लोकार्पित सेतु का नामकरण डॉ. अंबेडकर पर किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून के क्रियान्वयन के अंतर्गत मध्यप्रदेश ने देश में सबसे पहले ई-समन व्यवस्था लागू की। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के द्वारा नए आपराधिक कानून के क्रियान्वयन के संबंध में नई दिल्ली में ली गई बैठक में नए कानूनों के क्रियान्वयन की दृष्टि से मध्यप्रदेश की अग्रणी व आदर्श राज्य के रूप में सराहना हुई। इस व्यवस्था से पुलिस बल के समय और संसाधनों की बचत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बंदी जेल में विद्यमान क्यूबिक से ही न्यायालयीन प्रक्रिया में शामिल होंगे।

एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी महाकुंभ में महामंडलेश्वर बनीं

प्रयागराज (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बन गई हैं। उन्होंने शुक्रवार को प्रयागराज में संगम तट पर पिंडदान किया। अब वह यामाई ममता नंद गिरि कहलाएंगी। उनका सिर्फ पट्टाभिषेक रह गया है। 53 साल की ममता आज सुबह ही महाकुंभ में किन्नर अखाड़ा पहुंची थीं। उन्होंने किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक महामंडलेश्वर बनने को लेकर चर्चा हुई। इसके बाद किन्नर अखाड़ा ने उन्हें महामंडलेश्वर की पदवी देने का ऐलान किया। इसके बाद महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ममता को लेकर अखिल भारतीय अखाड़े के अध्यक्ष रविंद्र पुरी के पास पहुंचीं। ममता और पुरी के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। इस दौरान किन्नर अखाड़े के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। फिर उनका महामंडलेश्वर बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई। किन्नर अखाड़े ने ममता को महामंडलेश्वर बनाए जाने को लेकर पूरी गोपनीयता बरती है। ममता साध्वी के रूप में महाकुंभ में शामिल हुईं। वह भगवा कपड़े पहनी दिखीं। उन्होंने गले में रुद्राक्ष की दो बड़ी माला पहन रखी थी। कंधे पर भगवा झोला भी टांग रखा था।

महाराष्ट्र में सेना की हथियार फैक्ट्री में धमाका, 8 मौतें

भंडारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा में सेना की हथियार फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह 10:30 बजे धमाका हुआ। हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, 7 गंभीर घायल हैं। भंडारा कलेक्टर संजय कोलते ने बताया कि धमाके से फैक्ट्री की छत गिर गई, जिसमें 13 से 14 लोगों के फंसे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। धमाके के बाद लोहे और पत्थर के टुकड़े दूर-दूर बिखरे हुए दिखाई दिए। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्ट्री के (लॉन्ग टर्म प्लानिंग) सेक्शन में हुआ। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री और नागपुर के सांसद नितिन गडकरी ने भी हादसे में गिरी छत के नीचे 13-14 लोगों के फंसे होने की जानकारी दी।

विधायक अमानतुल्लाह के बेटे की बुलेट जब्त-20 हजार चालान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने चेकिंग के दौरान बहस होने पर आम आदमी पार्टी विधायक अमानतुल्लाह के बेटे मो. अनस की बाइक जब्त कर ली और 20 हजार जुर्माना लगाया। पुलिस टीम ओखला इलाके में गुरुवार रात रिपब्लिक डे के चलते चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो युवक मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बाइक लेकर निकले। पुलिस ने रोका और साइलेंसर को मोटर व्हीकल एक्ट का हवाला देते हुए गैरकानूनी बताया। इसके बाद युवक ने कहा कि उसके पिता विधायक हैं। पुलिस और लड़के के बीच बहस हुई। पुलिस अफसर ने भी लड़के के पिता से मोबाइल पर बात की और कहा कि मैं बाइक का चालान कर रहा हूं और ये कह रहे हैं कि पापा विधायक हैं। पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की कई धाराओं के तहत चालान काटा और बाइक जब्त कर ली। लड़के ने अपना पहचान पत्र नहीं दिखाया और बिना नाम बताए वहां से चला गया।

सैफ की मेडिकल रिपोर्ट, 5 चोटों का जिक्र

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सैफ अली खान को पांच जगहों पर चाकू घोंपा गया था। उनको पीठ, कलाई, गर्दन, कंधे और कोहनी पर चोटें लगी थीं। उन्हें उनके दोस्त अफसर जैदी ने ऑटो रिक्शा में मुंबई के लीलावती अस्पताल पहुंचाया था। सैफ की मेडिकल रिपोर्ट से यह पता चला है। रिपोर्ट में कहा गया है, %चोटों का आकार 0.5 सेंटीमीटर से लेकर 15 सेमी तक है। हमले की रात सैफ के दोस्त अफसर जैदी उन्हें सुबह 4:11 बजे लीलावती अस्पताल ले गए और औपचारिकताएं पूरी कीं। उधर, पुलिस ने सैफ अली खान के बयान दर्ज किए। उन्होंने बताया कि 16 जनवरी की रात वे और उनकी पत्नी करीना कपूर 11वीं मंजिल पर अपने बेडरूम में थे, जब उन्होंने अपनी नर्स एलियामा फिलिप की चीखें सुनीं। वे जहांगीर के कमरे की ओर भागे जहां एलियामा फिलिप भी सोती थीं। वहां उन्होंने एक अजनबी को देखा। जहांगीर भी रो रहा था। सैफ ने बताया कि उन्होंने अनजान शख्स को पकड़ लिया। इसके बाद उसने हमला कर दिया, जिससे सैफ घायल हो गए। इसके बाद हमलवार धक्का देकर भाग गया। मुंबई पुलिस ने इस मामले में आरोपी शरीफुल इस्लाम को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया। अदालत ने उसे 29 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया। आज ही पुलिस रिमांड खत्म हुई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मामले में पर्याप्त प्रगति हुई है और अन्य पहलुओं की जांच जरूरी है। अपराध गंभीर है और सेशन कोर्ट में है। आरोपी की बेगुनाही का पता लगाने के लिए भी ऐसी जांच जरूरी है।

राउत का दावा- महाराष्ट्र को जल्द तीसरा डिप्टी सीएम मिलेगा

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को दावा किया है कि महाराष्ट्र को जल्द ही तीसरा डिप्टी सीएम मिल सकता है। चेहरा एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना से ही होगा। उन्होंने कहा- मैं किसी का नाम नहीं लूंगा, लेकिन देखिए आगे क्या होता है। महाराष्ट्र में फिलहाल शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार उपमुख्यमंत्री हैं। राउत ने कहा- महाराष्ट्र में पर्दे के पीछे अलग ही राजनीति चल रही है। शिवसेना शिंदे गुट में फूट पड़ चुकी है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। वह अभी डिप्टी सीएम हैं। कल मुख्यमंत्री थे। हो सकता है कल वो डिप्टी मुख्यमंत्री न रहें। शिंदे को इस बार में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिंदे महाराष्ट्र के दुश्मनों की सेवा में लगे हुए हैं। वे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से पार्टी छोड़कर भागे। ये लोग सीबीआई और ईडी से डर गए, लेकिन मोदी और शाह इनको भी नहीं छोड़ेंगे। हमारी पार्टी मजबूत है। सत्ता आती-जाती रहती है। शिवसेना शिंदे गुट में फूट का दावा किया राउत ने कुछ दिन पहले दावा किया था कि उद्योग मंत्री उदय सामंत शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना को विभाजित कर सकते हैं। उनके पास 20 विधायकों का समर्थन है। हालांकि सामंत ने पार्टी प्रमुख शिंदे के साथ किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया। उन्होंने कहा है कि उनके बीच दरार पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

शिंदे ने कहा था- उद्धव ने बाला साहेब से विश्वासघात किया राउत का यह बयान शिंदे और उद्धव गुट के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने बालासाहेब ठाकरे की 99वीं जयंती पर 23 जनवरी को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में आयोजित शिवोत्सव कार्यक्रम के दौरान कहा- उद्धव ठाकरे ने अपने पिता की विचारधारा के साथ विश्वासघात किया।

राजौरी में रहस्यमयी मौतों की वजह सामने आई

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में 17 लोगों की रहस्यमयी मौत का कारण सामने आ गया है। कठुआ में एक कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि यह कोई बीमारी नहीं है। शुरुआती जांच में पता चला है कि किसी जहरीले पदार्थ की वजह से मौतें हुई हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च, लखनऊ में जहर की जांच चल रही है। सैंपल्स में किसी भी तरह के इंफेक्शन, वायरस या बैक्टीरिया के सबूत नहीं मिले हैं। वहीं, एम्स में प्रोफेसर और टॉक्सिकोलॉजी के प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता ने बताया कि जहरीला पदार्थ न्यूरल या कैमिकल कुछ भी हो सकता है। यह कीटनाशक या गैस भी हो सकती है।

राजौरी के बधाल गांव में 7 दिसंबर से अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी 11 मरीज गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज राजौरी में भर्ती हैं। उनमें से 9 की हालत में सुधार हो रहा है, जबकि 2 गंभीर हैं। 3 बहनों को एयरलिफ्ट करके चंडीगढ़ भेजा गया 22 जनवरी को तीन बहनों की तबीयत बिगड़ने के बाद राजौरी के गांव बधाल को कंटेनमेंट जोन बनाया गया था।

केजरीवाल बोले- भाजपा गंदी पार्टी, मुझे झूठे केस में जेल भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा वाले इतने गंदे लोग हैं, इन्होंने दिल्ली वासियों को तंग करने के लिए सीवर में सीमेंट के कट्टे डाल दिए।

भाजपा वालों ने मुझे झूठे केस में जेल भेज दिया। वो मुझे गंदी-गंदी गालियां देते हैं। भाजपा की 20 राज्यों में सरकार है, लेकिन कहीं भी 24 घंटे बिजली नहीं आती। दिल्ली देश में एकमात्र राज्य है, जहां 24 घंटे बिजली आती है। अगर चुनाव में गलत बटन दब गया तो दिल्ली में बिजली गुल हो जाएगी। ये बाते केजरीवाल ने उत्तम नगर में आयोजित चुनावी सभा में कही।

केजरीवाल ने कहा- अगर भाजपा को वोट दिया तो दिल्ली में सरकारी स्कूल खराब हो जाएंगे। मोहल्ला क्लीनिक बंद हो जाएंगे। भाजपा वाले महिलाओं के फ्री बस यात्रा के खिलाफ हैं, वो इसे बंद कर देंगे। दिल्ली में 5 फरवरी को वोटिंग, 8 को नतीजे दिल्ली में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। 5 फरवरी को सभी 70 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं, 8 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे। दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि दिल्ली की जनता इस बार बदलाव के लिए तैयार है। भाजपा जो भी योजनाएं बनाती है या अपने घोषणापत्र में जो भी वादा करती है, उसे पूरा करती है। कांग्रेस और आप सिर्फ झूठे वादें करते हैं।

हाईकोर्ट बोला-हम दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र नहीं बुला सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भाजपा विधायकों की उस याचिका को खारिज किया, जिसमें दिल्ली विधानसभा में सीएजी की रिपोर्ट पेश करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के निर्देश देने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा, संविधान के तहत इन की रिपोर्ट पेश करना अनिवार्य है, लेकिन अदालतें विधानसभा की बैठक बुलाने के लिए हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। बेंच ने कहा- कोर्ट भाजपा विधायकों की याचिका स्वीकार करने के इच्छुक नहीं हैं। स्पीकर को सदन बुलाने का निर्देश नहीं दे सकते। हालांकि, अदालत ने कहा कि कैग रिपोर्ट पेश करने में दिल्ली सरकार ने बहुत ज्यादा देरी की। भाजपा ने याचिका में दावा किया था कि आप सरकार ने स्पीकर को सीएजी रिपोर्ट भेजने में देरी की थी। इससे पहले 16 जनवरी को दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए फैसला आज के लिए सुरक्षित रखा था।

14 राज्यों में घना कोहरा, वाराणसी में विजिबिलिटी जीरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी घटने के कारण देश के उत्तरी राज्यों में भी ठंड का असर कम हो गया है। हालांकि, शुक्रवार सुबह भी 14 राज्यों में घना कोहरा देखने को मिला। इस कारण कई ट्रेनें लेट हुईं। वाराणसी में विजिबिलिटी जीरो दर्ज की गई। हालांकि, बिहार में सर्दी का असर बना हुआ है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 2 दिन न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। ठंड को देखते हुए राज्य सरकार ने 10 जिलों में 8वीं तक के स्कूल 25 जनवरी तक बंद कर दिए हैं। घने कोहरे के कारण शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल (एनएससीबीआई) एयरपोर्ट पर कम से कम 34 फ्लाइट्स देरी से उड़ान भर सकीं। चार फ्लाइट्स रँप से पार्किंग बे में लौट आईं। उधर, राजस्थान में शुक्रवार सुबह कई जिलों में तेज बारिश हुई। इससे जयपुर, सीकर, चूरू समेत उत्तर-पूर्वी राजस्थान के शहरों में सर्द हवा चलने लगी। कई शहरों का दिन का तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। कश्मीर में बर्फीली हवाओं के कारण गुलमर्ग को छोड़कर पूरी घाटी में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विभाग के मुताबिक, श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 2 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में माइनस 5.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जम्मू-कश्मीर में 21 दिसंबर से शुरू हुए चिल्लई-कलां खत्म होने में अभी 6 दिन बाकी है। 40 दिन तक चलने वाला तेज ठंड का दौर 30 जनवरी को खत्म होगा। इसके बाद 20 दिनों का चिल्लई-खुर्द (छोटी सर्दी) और 10 दिनों का चिल्लई-बच्चा (कम सर्दी) का मौसम रहेगा। वहीं, हिमाचल प्रदेश के में 1 से 23 जनवरी तक 57.3 इंच के मुकाबले 14.7 इंच बारिश हुई, जो सामान्य से 74 प्रतिशत कम है।

हुर्रियत नेता मीरवाइज ने वक्फ संशोधन विधेयक पर आपत्ती जताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मीरवाइज उमर फारूक ने कहा- वक्फ बहुत जरूरी मुद्दा है। इसका सोशल और मजहबी दोनों तरह का इम्पेक्ट है। हम नहीं चाहते कि एक तरफा फैसला लिया जाए, जम्मू-कश्मीर के हुर्रियत नेता मीरवाइज उमर फारूक ने शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति के सामने अपना पक्ष रखा। दिल्ली में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संशोधन वक्फ की स्वतंत्रता और वर्किंग के लिए बड़ा खतरा हैं। मीरवाइज ने कहा, प्रस्तावित संशोधन में जिला कलेक्टर को मनमानी पावर दी गई हैं। केवल आदेश पारित करके और रेवेन्यू रिकॉर्ड्स में दर्ज एंट्रीज को बदलकर वक्फ प्रॉपर्टीज को सरकारी प्रॉपर्टी दर्शाने का पूरा अधिकार दिया गया है। ये विवादित और निर्विवाद दोनों वक्फ प्रॉपर्टीज के लिए है। जो की गलत है। मीरवाइज ने कहा- ये संशोधन पूरी तरह से मुस्लिम समुदाय के खिलाफ हैं। इससे वक्फ अधिनियम का

मूल उद्देश्य कमजोर होगा। ये मुस्लिम पर्सनल लॉ का उल्लंघन है। इससे मुस्लिम समुदाय में असुरक्षा और अविश्वास बढ़ेगा। क्योंकि उनकी धार्मिक प्रॉपर्टीज अब सरकारी हस्तक्षेप से सुरक्षित नहीं रहेंगी। मीरवाइज के वक्फ (संशोधन) बिल पर जताई आपत्तियों का भाजपा ने स्वागत किया। जेपीसी सदस्य भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा- मीरवाइज ने अपनी बात मजबूती से रखी। विधेयक के अलग-अलग भागों पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। ये सबसे अच्छी बात है। बैठक में हंगामे के बाद तृणमूल सदस्य कल्याण बनर्जी और कांग्रेस सदस्य नसीर हुसैन बैठक से बाहर निकल गए थे। शुक्रवार सुबह 11 बजे जेपीसी की बैठक शुरू होने के बाद हंगामा हुआ। विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें ड्राफ्ट में प्रस्तावित बदलावों पर रिसर्च के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। मीरवाइज को बुलाने से पहले समिति के सदस्यों में बहस हुई। बहस और हंगामे के चलते बैठक कुछ देर के लिए रोकनी पड़ी। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा दिल्ली चुनावों के कारण ध्यान में रखते हुए वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को संसद में जल्दी पेश करने पर जोर दे रही है। बनर्जी ने कहा कि समिति की कार्यवाही एक तमाशा बन गई है। इसके बाद टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस सदस्य नसीर हुसैन उठकर बाहर चले गए। समिति ने 10 विपक्षी सांसदों को एक दिन के लिए सस्पेंड कर दिया था।

शार्दुल ठाकुर ने मुंबई की लाज बचाकर किया मैच विनिंग प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी में मुंबई बनाम जम्मू-कश्मीर मुकाबले में जहां रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी फेल साबित हुए वहीं शार्दुल ठाकुर ने शतक ठोककर टीम इंडिया में वापसी का दावा ठोका है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मैच में मुंबई के लिए खेलते हुए शतक जड़ दिया। उन्होंने मुंबई के लिए दूसरी पारी में 105 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसके दौरान उन्होंने 15 चौके भी लगाए। ठाकुर ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 113 रन बना लिए हैं। उनकी पारी ऐसे समय में आई जब मुंबई ने 91 रनों के स्कोर पर 6 विकेट गंवा दिए थे।

शार्दुल ठाकुर आठवें क्रम पर बैटिंग करने आए, इस बीच मुंबई के 7 विकेट 101 रन तक गिर चुके थे। मगर इस बीची शार्दुल ठाकुर और तनुष कोटियन के बीच 173 रनों की शानदार साझेदारी हुई जो अब भी चल रही है। ठाकुर ने मुंबई की पारी के 60वें ओवर में अपना शतक पूरा किया और 100 रनों का आंकड़ा छूते ही उन्होंने ड्रेसिंग रूम की तरफ छाती ठोकने का इशारा किया। वहीं कमेंट्री के दौरान ठाकुर के लिए मुंबई क्रिकेट का सेर वाक्य का प्रयोग किया गया।

शार्दुल ठाकुर दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद 113 रन बना चुके हैं। वहीं पहली पारी में भी उन्होंने फिफ्टी लगाई थी। मुंबई पहली पारी में 100 रन बनाने के लिए भी संघर्ष कर रही थी, लेकिन ठाकुर के 51 रनों की बदौलत मुंबई की टीम 120 रनों तक पहुंचने में कामयाब रही थी। उसके बाद गेंदबाजी में भी उन्होंने 2 विकेट अपने नाम किए, लेकिन जम्मू-कश्मीर पहली पारी में 86 रनों की बड़ी बढ़त बनाने में कामयाब रहा।

शार्दुल ठाकुर ने मुंबई को हार के मुंह से बाहर निकालने का काम किया है। उनकी शतकीय पारी ऐसे समय में आई जब उसके दूसरी पारी में 6 विकेट 91 के स्कोर पर गिर गए थे। उसकी कुल बढ़त मात्र 5 रनों की थी। ठाकुर की शतकीय पारी ने मुंबई की लाज बचाने के साथ-साथ उसकी मैच में जबरदस्त वापसी भी करवाई है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह को विश्व क्रिकेट कनेक्ट्स सलाहकार बोर्ड में शामिल किया गया

लंदन (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह को नवगठित विश्व क्रिकेट कनेक्ट्स सलाहकार बोर्ड में शामिल किया गया है जो एक स्वतंत्र ग्रुप है जो सात और आठ जून को लॉर्ड्स में एक चर्चा के दौरान खेल में कई तरह की चुनौतियों और मौकों पर चर्चा करेगा। विश्व क्रिकेट में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति माने जाने वाले बीसीसीआई के पूर्व सचिव शाह ने पिछले साल एक दिसंबर को आईसीसी अध्यक्ष का पद संभाला था और 'विश्व क्रिकेट कनेक्ट्स' फोरम में उनका शामिला होना उनके लिए अपने विचारों को व्यापक मंच पर पहुंचाने का एक मौका है। क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने मंगलवार को घोषणा की कि विश्व क्रिकेट कनेक्ट्स खेल के सबसे प्रमुख विचारकों और प्रभावशाली लोगों को एक साथ लाने वाला कार्यक्रम इस साल एक बार फिर आयोजित किया जाएगा। एमसीसी ने विज्ञप्ति में कहा, 'यह फोरम 2024 में पहले ही साल में क्रिकेट से जुड़े सभी प्रभावशाली लोगों को एक साथ लाने में बेहद लोकप्रिय साबित हुआ था और अब यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले आयोजित किया जाएगा।''

रोहित शर्मा ने 10 साल बाद घरेलू क्रिकेट में की असफल वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कई स्टार खिलाड़ी इस समय घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। वहीं ये स्टार खिलाड़ी इंटरनेशनल लेवल के बाद घरेलू क्रिकेट में भी रनों के लिए जूझ रहे हैं। साथ ही

इंटरनेशनल लेवल पर रन की तलाश कर रहे टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने भी 10 साल बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की। लेकिन उनकी वापसी असफल रही। जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी के इस सीजन में मुंबई के लिए खेलते हुए दोनों पारियों में उनका बल्ला नहीं चला और उन्होंने क्रिकेट फैंस को भी मायूस किया। जम्मू-कश्मीर के खिलाफ पहली पारी में तो रोहित शर्मा दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए थे और उमर नजीर ने उन्हें आउट किया था तो वहीं दूसरी पारी में वो थोड़े लय में दिख रहे थे और शुरुआत भी अच्छी की थी लेकिन वो अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील करने में नाकामयाब रहे। दूसरी पारी में उन्हें युद्धवीर सिंह ने अपना शिकार बनाया और कैच आउट करवा दिया। रोहित शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ पहली पारी में 19 गेंदों का सामना करते हुए 3 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 35 गेंदों पर 28 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 3 छक्के और 2 चौके भी लगाए। इस मैच में उनके बल्ले से दोनों पारियों को मिलाकर 31 रन बनाए।

जल्द बड़े पर्दे पर दिखेगी सौरव गांगुली की बायोपिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई सालों से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक की चर्चा हो रही है। उनकी जिंदगी को बड़े पर्दे पर लाने के लिए फिल्म डायरेक्टर कोशिश कर रहे हैं। जिसके लिए लीड एक्टर का नाम फाइनल ही नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि, सौरव गांगुली की जिंदगी से जुड़ी फिल्म के लिए लीड एक्टर मिल गया है।

पहले इस रोल के लिए आयुष्मान खुराना को अप्रोच किया गया था। वहीं टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि, ड्रीम गर्ल फेम आयुष्मान ने इस फिल्म को करने के लिए हामी भर दी है। इसके अलावा रणबीर कपूर और बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर एक्टर प्रसेनजीत चटर्जी का ना भी चर्चा में था। हालांकि, निर्माताओं की तरफ से इस बारे में अभी तक कोई पुष्टि नहीं की गई थी। लेकिन अब कहा जा रहा है कि, राजकुमार राव सौरव गांगुली की बायोपिक के लिए उनका रोल निभा सकते हैं। हाल ही में बंगाली अखबार आनंद बाजार पत्रिका के पत्रकार सुमित घोष ने सोशल मीडिया पर इस खबर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने लिखा कि, ब्रेकिंग, राजकुमार राव सौरव गांगुली की बायोपिक में उनकी भूमिका निभाने के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी।

बुमराह, जडेजा और जायसवाल को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह, अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शुक्रवार को 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह मिली। इंग्लैंड के चार खिलाड़ी भी इस टीम का हिस्सा हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को कप्तान बनाया गया है। टीम में दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन सहित न्यूजीलैंड के दो खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

आईसीसी की इस ऑल स्टार टीम में जगह बनाने वाले कमिंस एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं। बुमराह ने 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और प्रत्येक टीम तथा प्रत्येक उस बल्लेबाज पर दबदबा बनाया जिसे उन्होंने गेंदबाजी की। वह टेस्ट क्रिकेट में 20 से कम की औसत से कम से कम 200 विकेट चटकाने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने और इतिहास में अपना नाम लिखवाया। बुमराह ने 2024 में 14.92 के औसत से 71 विकेट चटकाए और टेस्ट क्रिकेट में साल में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज रहे।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 32 विकेट चटकाए लेकिन भारत को पांच मैच की श्रृंखला में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। बुमराह ने साल की शानदार शुरुआत करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चार मैच में 19 विकेट चटकाए जिसमें विशाखापत्तम में मैच में नौ विकेट भी शामिल हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ स्वदेश में दो मैच में 11 विकेट हासिल किए।

बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर सिर्फ तीन विकेट चटका पाए और भारत को 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। इस तेज गेंदबाज ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। जडेजा ने 2024 में 29.27 के औसत से 527 रन बनाने के अलावा 24.29 के प्रभावी औसत से 48 विकेट भी चटकाए। जायसवाल ने स्वयं को शीर्ष टेस्ट सलामी बल्लेबाज के रूप में स्थापित किया और 2024 में भारतीय बल्लेबाजों के बीच शानदार प्रदर्शन किया।

दक्षिण अफ्रीका में चुनौतीपूर्ण श्रृंखला के बाद इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 712 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में दो दोहरे शतक और तीन अर्धशतक जड़ते हुए दबदबा बनाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में चार पारियों में तीन अर्धशतक जड़े। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भारत को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह प्रभावी प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जायसवाल ने पर्थ में पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बनाकर भारत की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। वह 391 रन के साथ श्रृंखला में भारत के शीर्ष स्कोरर रहे। जायसाल ने कैलेंडर वर्ष में 54.74 के प्रभावी औसत से कुल 1478 रन बनाए। उनसे अधिक रन सिर्फ इंग्लैंड के जो रूट (2024 में 55.57 के औसत से 1556 रन) बना पाए। रूट को भी आईसीसी की ऑल स्टार टीम में जगह मिली है।

विलियमसन ने भी 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 59.58 के शानदार औसत से 1013 रन बनाए जिससे वह साल में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में छठे स्थान पर रहे। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस ने भी 74.92 के बेहद शानदार औसत के साथ 2024 में 1049 रन बनाते हुए टीम में जगह बनाई। कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ श्रृंखला जीती। उन्होंने 2024 में 24.02 के औसत से 37 विकेट चटकाने के अलावा 23.53 के औसत से 306 रन भी बनाए।

क्रिकेट के बाद सिंगर बने लसिथ मलिंगा?

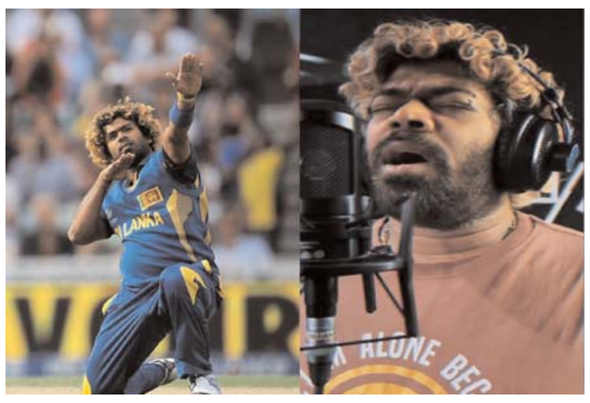

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा क्रिकेट के बाद अब सिंगर बन गए है। दरअसल, सोशल मीडिया पर लसिथ मलिंगा का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में लसिथ मलिंगा गाना गाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो सॉन्ग में लसिथ मलिंगा के साथ वाइफ तान्या मलिंगा दिख रही हैं। दोनों कपल का रोमांटिक अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। लसिथ मलिंगा ने अपने अधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो शेयर किया है। साथ ही पोस्ट में अपनी वाइफ तान्या मलिंगा को टैक किया है।

सोशल मीडिया पर लसिथ मलिंगा का नया गाना तेजी से वायरल हो रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि लसिथ मलिंगा को गाते हुए देखना वाकई शानदार अहसास है। दरअसल, अब तक क्रिकेट फैंस ने लसिथ मलिंगा का रोमांटिक अंदाज नहीं देखा था, लिहाजा इस वीडियो को देखने के बाद यकीन करना मुश्किल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो को देखने के बाद यकीन करना मुश्किल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियोतेजी से सुर्खियों बटोर रहा है। बता दें कि, लसिथ मलिंगा ने 30 टेस्ट मैचों के अलावा 226 वनडे और 84 टी20 मैचों में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा आईपीएल में 122 मुकाबले खेले। लसिथ मलिंगा आईपीएल इतिहास के सबसे कामयाब गेंदबाजों में शुमार हैं। लसिथ मलिंगा ने श्रीलंका के लिए 20 टेस्ट मैचों में 101 विकेट लिए। जबकि इस तेज गेंदबाज ने 226 वनडे मैचों में 338 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। इस फॉर्मेट में लसिथ मलिंगा की इकॉनमी 5.35 जबकि एवरेज 28.87 की रही। वहीं, लसिथ मलिंगा ने इंटरनेशनल टी20 मैचों में 7.42 की इकॉनमी और 20.79 की एवरेज से 107 बल्लेबाजों का आउट किया।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में शमी को मिलेगा मौका

नई दिल्ली नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छी शुरुआत की। भारत ने पहला मैच जीता लिया था। अब दूसरा टी20 मैच शनिवार को चेन्नई में खेला जाएगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस मैच की प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है। टीम इंडिया मोहम्मद शमी को वापसी का मौका दे सकती है। शमी का अब तक शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है। लेकिन वे चोट की वजह से काफी वक्त तक भारतीय टीम से बाहर रहे।

शमी टीम इंडिया के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। वे भारत के लिए अभी तक 23 टी20 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने इस दौरान 24 विकेट झटके हैं। शमी ने 101 वनडे मैचों में 195 विकेट झटके हैं। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है। शमी की पहले से तैयारी हो, इसके लिए टी20 के लिए भी मौका मिला। वे पहले मैच की प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे, लेकिन दूसरे मैच के मौका दिया जा सकता है।

अगर शमी को प्लेइंग इलेवन में जगह मिली तो रवि बिश्नोई को आराम दिया जा सकता है। बिश्नोई ने पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 4 ओवर फेंके थे। इस दौरान 22 रन दिए थे। लेकिन एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती ने घातक गेंदबाजी की थी। उन्होंने 3 विकेट झटके थे। वरुण दूसरे मुकाबले में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

चमके रविंद्र जडेजा, एक मैच में झटक लिए 12 विकेट

नई दिल्ली नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में जहां टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी फ्लॉप साबित हो रहे हैं वहीं स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा हिट साबित हुए हैं। आईपीएल 2025 से पहले रविंद्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से सीएसके की बल्ले बल्ले कर दी है। बता दें कि, रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र ने महज 2 दिन के भीतर दिल्ली को 10 विकेट से रौंद डाला है। इस मैच में रविंद्र जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए खेलकर कमाल कर दिया है। उन्होंने पूरे मैच में कुल 12 विकेट झटके और इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया है।

रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में पांच विकेट झटके थे। उनके घातक स्पेल के बलबूते सौराष्ट्र ने दिल्ली को पहली पारी को 188 रन पर समेट दिया था। वहीं दूसरी पारी में जडेजा ने 7 विकेट लिए और इस बार दिल्ली की पूरी टीम 94 रनों पर सिमट गई। अब रविंद्र जडेजा ने फर्स्ट क्लास करियर में 135 मैचों में 542 विकेट झटके हैं। दिल्ली के खिलाफ मैच में उन्होंने बैटिंग में भी 38 रनों का योगदान दिया था।

ये साल 2023 के बाद ऐसा पहला मौका था जब जडेजा ने कोई घरेलू मैच खेल रहे थे। जडेजा टीम इंडिया के लिए भी निरंतर अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्हें हाल ही में आईसीसी की टेस्ट टीम ऑफ द ईयर 2024 में भी जगह मिली है। उन्होंने पिछले वर्ष बैटिंग में 527 रन बनाए और गेंदबाजी में 48 विकेट भी अपने नाम किए हैं। जहां एक तरफ सौराष्ट्र के लिए खेल रहे रविंद्र जडेजा ने मैच में 12 विकेट अपने नाम किए। वहीं इसी मैच में ऋषभ पंत दिल्ली टीम के लिए खेल रहे थे। पंत का हाल इतना बुरा रहा कि वो पहली पारी में महज 1 रन बना पाए। पहली पारी में सौराष्ट्र ने 83 रनों की बढ़त प्राप्त की थी। ऐसे में दिल्ली को उम्मीद थी कि पंत सीनियर खिलाड़ी होने का भार संभालते हुए बढ़िया पारी खेलेंगे। वहीं दूसरी पारी में वह महज 17 रन ही बना पाए। आखिर में दिल्ली को 10 विकेट से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। जिससे उसकी क्वार्टरफाइनल में जाने की उम्मीदों को झटका लगा है। अब दिल्ली का आखिरी मैच 30 जनवरी से रेलवे के खिलाफ खेला जाएगा।

प्लाग रन से हुई गौरव दिवस की शुरुआत

मेयर योगेश ताम्रकार ने दिखाई हरी झंडी, स्टेडियम में हुई विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सतना में दो दिवसीय गौरव दिवस समारोह की शुरुआत प्लाग रन से हुई। शुक्रवार की सुबह नगर निगम परिसर से मेयर योगेश ताम्रकार ने हरी झंडी दिखाकर प्लाग रन को रवाना किया। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, कलेक्टर अनुराग वर्मा, नगर निगम कमिश्नर शेर सिंह मीणा सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रगान के साथ समाप्त हुआ प्लाग रन: प्लाग रन में हर आयु वर्ग के लोगों ने उत्साह से भाग लिया। यह दौड़ नगर निगम कार्यालय से शुरू होकर सर्किट हाउस चौक, स्टेशन रोड और धवारी तिराहा होते हुए दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम में समाप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान मेयर ने सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और राष्ट्रगान के साथ प्लाग रन का समापन किया गया।

सतना नगर निगम की स्थापना की वर्षगांठ पर आयोजित समारोह: सुबह 10 बजे से स्टेडियम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें दौड़, बॉलीबॉल, म्यूजिकल चेयर, लगोरी (पिट्ठू), बास्केटबॉल, फुटबॉल और रस्साकस्सी जैसी प्रतियोगिताएं शामिल थीं। इन खेलों में किसी भी आयु वर्ग के लोग भाग ले सकते थे। बता दें कि 25 जनवरी 1981 को सतना नगर पालिका निगम की स्थापना हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आह्वान पर लगातार तीसरे वर्ष सतना गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

चित्रकूट-प्रयागराज विकास क्षेत्र की घोषणा से बड़ी उम्मीदें

राम की तपोभूमि और प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध क्षेत्र को मिलेगी नई पहचान

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चित्रकूट-प्रयागराज विकास क्षेत्र बनाने की घोषणा से इस पिछड़े क्षेत्र में विकास की नई किरण जगी है। भगवान श्रीराम की तपोभूमि के रूप में प्रसिद्ध चित्रकूट, जहां प्रभु राम ने 11 वर्ष से अधिक समय बिताया, धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

दोनों जिलों की सटी सीमाएं और धार्मिक महत्व इस विकास क्षेत्र को विशेष बनाते हैं। चित्रकूट में श्रीराम से जुड़े अनेक धार्मिक स्थलों के अलावा, इको टूरिज्म के लिए प्रसिद्ध जंगली क्षेत्र और ऋषि भारद्वाज की जन्मस्थली जैसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल मौजूद हैं।

प्रयागराज से चित्रकूट की 120 किलोमीटर की दूरी को झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग और कर्वी-राजापुर मार्ग जोड़ता है। दोनों मार्गों पर रोडवेज बसों का नियमित संचालन होता है। रेल मार्ग से भी दोनों जिले जुड़े हैं, जहां एक दर्जन से अधिक ट्रेनें चलती हैं।

चित्रकूट की प्राकृतिक सुंदरता विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करती है। महाकुंभ के दौरान जर्मनी से आए पर्यटक एडकिंशन और ऐश्ली ने दो दिन यहां बिताकर क्षेत्र के तीर्थ स्थलों का भ्रमण किया और यहां की प्राकृतिक सुंदरता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विकास क्षेत्र बनने से पर्यटन सुविधाओं में वृद्धि और क्षेत्र के समग्र विकास की उम्मीदें बढ़ी हैं।

आनंद उत्सव की गतिविधियों के उत्कृष्ट फोटो और वीडियो के चयन पर मिलेंगे पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में मकर संक्रांति पर्व 14 से 28 जनवरी तक आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत सांस्कृतिक और परम्परागत खेलकूद की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। कार्यक्रमों के फोटो एवं वीडियो के चयन के लिये एक प्रतियोगिता आयोजित की गई है। आनंद उत्सव कार्यक्रम से जुड़े आनंदक, नागरिक और आयोजक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। कोई भी व्यक्ति राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर 5 फरवरी 2025 तक आयोजन के फोटो और वीडियो अपलोड कर सकता है। इन अपलोड किये गये फोटो एवं वीडियो में से तीन उत्कृष्ट फोटो एवं तीन उत्कृष्ट वीडियो का चयन कर पुरस्कृत किया जायेगा।

प्रत्येक प्रतिभागी अधिकतम 3 फोटो एवं 2 वीडियो ही अपलोड कर सकेगा। वीडियो लगभग 2 मिनिट और फोटो का साईज 3 एमबी तक का हो सकता है। जिस नाम से फोटो और वीडियो अपलोड किया जायेगा, चयनित होने पर पुरस्कार की राशि उसी व्यक्ति को देय होगी। यदि एक ही फोटो/वीडियो एक से अधिक व्यक्तियों द्वारा भेजा जाता है तो जिस व्यक्ति की प्रविष्टि पहले होगी, चयनित होने पर पुरूस्कार उसी को प्रदान किया जायेगा।

गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुलिस परेड ग्राउंड सतना में गणतंत्र दिवस समारोह के गरिमामय आयोजन की तैयारियों के बीच शुक्रवार 24 जनवरी को कार्यक्रम की फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। मुख्य अतिथि के रूप में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे ने प्रतीक स्वरूप ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर राष्ट्रगान के साथ ही ध्वाजारोहण किया गया तथा विभिन्न 12 प्लाटूनो द्वारा मार्च पास्ट कर सलामी दी गई। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह, रक्षित निरीक्षक देविका सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, जिला आबकारी अधिकारी विभा मरकाम, जिला क्रीडा अधिकारी मीना त्रिपाठी, परियोजना अधिकारी गौरव शर्मा उपस्थित रहे।

मैहर में हुई फाइनल रिहर्सल: मैहर जिले में गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल मैहर उस्ताद अलाउद्दीन स्टेडियम में की गई। कलेक्टर रानी बाटड़ एवं पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश वैश्य, एसडीएम मैहर विकास सिंह, एसडीएम अमरपाटन डॉ आरती सिंह, महिला बाल विकास अधिकारी राजेंद्र बांगरे, तहसीलदार जितेंद्र पटेल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता, 100 मीटर दौड़ से लेकर शतरंज में छात्र-छात्राओं ने दिखाया दम

मीडिया ऑडीटर, मऊ/चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट के राजकीय पॉलिटेक्निक बरगढ़ में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य संतोष कुमार व्यास ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई।

विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया: क्रीड़ा अधिकारी शुभम श्रीवास्तव और क्रीडा प्रभारी सूर्य देव राणा के अनुसार, छात्रों को रमन, भाभा, विवेकानंद और विश्वसरैया हाउस में, जबकि छात्राओं को सरोजनी और कल्पना हाउस में विभाजित किया गया। प्रतियोगिताओं की शुरुआत में विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया, जिसमें छात्र वर्ग का नेतृत्व राहुल खरवार और छात्रा वर्ग का नेतृत्व साक्षी सिंह ने किया।

खिलाड़ियों ने किया बेहतर प्रदर्शन: प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए, 100 मीटर दौड़ में सुशील सिंह यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्राओं में साक्षी सिंह चौहान ने 100 और 200 मीटर दोनों दौड़ों में प्रथम स्थान हासिल किया। बैडमिंटन में विवेक कुमार और शिवानी द्विवेदी ने अपने-अपने वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। टेबल टेनिस में मुकेश पासवान और कृतिका यादव ने बाजी मारी। वॉलीबॉल में भाभा हाउस विजेता रहा।

कार्यक्रम में शामिल लोग: शतरंज प्रतियोगिता में अमन कुमार और शिवानी द्विवेदी ने अपने-अपने वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस आयोजन में एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाएं जैसे 100 से 1500 मीटर तक की दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो और शॉट पुट का भी आयोजन किया गया। समारोह में कॉलेज के विभिन्न विभागों के शिक्षक और अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर मैहर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार शुक्रवार 24 जनवरी को मैहर में जिला स्तर पर राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सुखराम पैकरा द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम सुनहरे भविष्य के लिए बालिकाओं का सशक्तिकरण पर विचार व्यक्त करते हुए बालिका शिक्षा पर जोर दिया गया। समाज सेवी अरूण तनय मिश्रा द्वारा बेटा-बेटी समानता पर भाव व्यक्त करते हुए महिला अधिकारों की जानकारी दी गई।

इसी प्रकार पर्यटक सूचना केंद्र मैहर में आयोजित राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम में प्रभारी डी पी ओ राजेंद्र बांगरे ने कार्यक्रम की प्रस्तावना की जानकारी दी। इस मौके पर बालिका सौम्या रजक, आराध्या, कशिश चौधरी, संस्कृति बंसल, पुष्पांजलि, चंद्रशिखा सोनी द्वारा नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किए गए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मीनू कुशवाह द्वारा बेटी को बोझ ना समझे गीत के माध्यम से हृदयस्पर्शी संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन परियोजना अधिकारी विद्याचरण तिवारी द्वारा किया गया। इस मौके पर पार्षद अशोक चौबे, समाज सेवी संतोष सोनी, सनत गौतम सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी प्रकार जिले के ग्रामीण अंचलों मे सेक्टर स्तर पर भी सेक्टर पर्यवेक्षकों द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया।

मैहर जिला में प्रभारी मंत्री करेंगी ध्वजारोहण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नवगठित जिला मैहर में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को हर्षोल्लास एवं समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। मैहर जिले के गणतंत्र दिवस के द्वितीय जिला स्तरीय मुख्य समारोह में प्रभारी मंत्री मैहर राधा सिंह ध्वजारोहण करेंगी। जिला स्तरीय मुख्य समारोह मैहर के उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम में आयोजित होगा। गणतंत्र दिवस समारोह के पल-प्रतिपल निर्धारित कार्यक्रमानुसार 26 जनवरी को प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि का आगमन होगा। मुख्य अतिथि प्रातः 9 बजे से 9:05 तक ध्वजारोहण कर सलामी लेंगी। प्रातः 9:05 बजे से 9:10 बजे तक परेड का निरीक्षण, प्रातः 9:10 बजे से 9:30 बजे तक मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन, प्रातः 9:30 बजे से 9:40 तक मार्चपास्ट, प्रातः 9:40 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, विभिन्न विभागों द्वारा झाकियों का प्रदर्शन एवं प्रातः 10:30 बजे से पुरुस्कार वितरण किया जायेगा।

'भारत पर्व का कार्यक्रम सरस्वती स्कूल में': गणतंत्र दिवस की संध्या पर मैहर जिले में भारत पर्व का आयोजन मैहर के सरस्वती स्कूल में आयोजित किया जायेगा। जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा अपनी कलाओं का प्रदर्शन सांस्कृतिक, देशभक्ति गीतों के माध्यम से किया जायेगा। आयोजन स्थल पर जनसम्पर्क विभाग द्वारा संविधान से संबंधित छाया चित्र प्रदर्शनी लगाई जायेगी। मैहर जिला मुख्यालय में भारत पर्व का कार्यक्रम 26 जनवरी की शाम 5 बजे से सरस्वती विद्यालय मैहर में होगा। नोडल अधिकारी तहसीलदार मैहर जीतेन्द्र पटेल ने बताया कि मैहर में कार्यक्रम के लिए बुन्देली लोकगीत के लिए गोविन्द सिंह यादव एवं साथी विदिशा तथा करमा, बधाई लोकनृत्य के लिए छिद्दीलाल जबलपुर एवं साथियों को प्रस्तुतियां देने संस्कृति विभाग द्वारा चयन किया गया है।

नागौद में निकली किसान की अनोखी बारात

खुद ट्रैक्टर चलाकर मैरिज हॉल पहुंचा दूल्हा, बोला- यही मेरा राजा वाहन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सतना में अनोखी शादी ने सबका ध्यान खींचा। यहां दूल्हा महंगी कारों के बजाय अपना ट्रैक्टर खुद चलाकर बारात लेकर पहुंचा। नागौद ब्लॉक के सेमरी गांव के किसान सुजीत सिंह की शादी 21 जनवरी को थी। उन्होंने परंपरागत वाहनों को छोड़कर अपने ट्रैक्टर को चुना और खुद इसे चलाते हुए नागौद के अकौना गांव स्थित मैरिज पैलेस पहुंचे।

बारात में एक अलग ही रौनक देखने को मिली। यहां ट्रैक्टर के आगे-आगे दूल्हे के रिश्तेदार और दोस्त बैंड-बाजे की धुन पर नाचते हुए चल रहे थे। इस अनोखी बारात को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दुल्हन और उसके परिवार के लिए यह एक आश्चर्यजनक दृश्य था, लेकिन उन्होंने दूल्हे और बारातियों का स्वागत किया।

सुजीत सिंह पेशे से किसान हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता भी किसान हैं। उन्होंने कहा- "अपन किसान आदमी हैं, जो अपना राजा वाहन है, उसी से चल दिए।" इस घटना का वीडियो सामने आया है। आधुनिक समय में जहां शादियों में दिखावा और महंगी गाड़ियों का चलन बढ़ता जा रहा है, वहीं सुजीत की यह पहल अपनी विरासत और पेशे के प्रति गर्व को दर्शाती है।

सुजीत सिंह एमएसडब्ल्यू किए हैं। बारहवीं पास करने के बाद से ही 2013 से खेती-किसानी में जुट गए। 40 एकड़ के काश्तकार हैं। 40 से 50 लाख का साल में गल्ला बेच लेते हैं। घर मे 1 हार्वेस्टर, 3 ट्रैक्टर, 7 बाइक है। फोर व्हीलर का कभी शौक नहीं था। बचपन से खेती और किसानों के वाहन राजा से लगाव रहा है।

प्रदेश की उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशालाओं को एनएबीएल से मिलेगी मान्यता

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिये प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा बनाई गई कार्ययोजना के तहत आगामी एक वर्ष में प्रदेश की सभी अधिसूचति 6 उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशालाओं को एनएबीएल से मान्यता प्रदान कराई जायेगी।

नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेसि्ंटग एंड केलीब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) उर्वरक, मिट्टी, खाद्य पदार्थों, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि का परीक्षण करने वाली प्रयोगशालाओं को मान्यता प्रदान करता है। एनएबीएल यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षण के परिणाम सटीक और विश्वसनीय हों।

अगले एक वर्ष में आरएडी योजनांतर्गत 2 हजार 730 हेक्टेयर क्षेत्र एवं 5 वर्ष में 16 हजार 667 हेक्टेयर क्षेत्र लाभांवित किये जाने का लक्ष्य है। इसी तरह अगले एक वर्ष में एग्रोफोरेस्टी योजनांतर्गत 38 नर्सरियों एवं 5 वर्ष में 233 नर्सरियों को लाभांवित किए जाने का लक्ष्य है।

बलराम तालाब योजनांतर्गत अगले एक वर्ष में 6 हजार 144 हितग्राहियों एवं 5 वर्ष में 37 हजार 509 हितग्राहियों को लाभांवित किए जाने का लक्ष्य है।

राज्यपाल गणतंत्र दिवस पर भोपाल में फहरायेंगे ध्वज

विधानसभा अध्यक्ष सहित मंत्रि-परिषद के सदस्य जिलों के समारोह में होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल गणतंत्र दिवस-26 जनवरी को भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ध्वज फहरायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में ध्वज फहरायेंगे। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर मुरैना जिले में और जिला मुख्यालयों पर मंत्रीगण एवं कलेक्टर ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा देवास, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा, पंचायत और ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल सागर, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह झाबुआ, नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय धार, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह छिंदवाड़ा, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा सिवनी, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रतापसिंह कटनी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सम्पतिया उईके अलीराजपुर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ग्वालियर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना दतिया, महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया नीमच, खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत नरसिंहपुर, खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग हरदा, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह निवाडी, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान उमरिया, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला श्योपुर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप रतलाम, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार पन्ना में ध्वज फहराएंगे।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर टीकमगढ़, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल सीधी, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल उज्जैन, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन सिंह पटैल दमोह, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार रायसेन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल बैतूल, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सतना, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार अनूपपुर एवं पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह मैहर में ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। जिला मुख्यालय जबलपुर, खरगौन, बड़वानी, सिंगरौली, बुरहानपुर, गुना, अशोकनगर, भिंड, मऊगंज, छतरपुर, सीहोर, खंडवा, राजगढ़, नर्मदापुरम, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, शहडोल, विदिशा और डिंडौरी में जिला कलेक्टर ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

दिव्यांग छात्राओं के बीच कलेक्टर ने मनाया राष्ट्रीय बालिका दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 24 जनवरी की प्रातः कलेक्टर अनुराग वर्मा अपने परिवार के सहित सिविल लाइन स्थित सी. डब्ल्यू. एस. एन दिव्यांग बालिका आवासीय विद्यालय पहुंचे। कलेक्टर के परिवार ने विद्यालयीन छात्राओं के साथ राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया और छात्राओं को मिष्ठान तथा उपहार भेंट किये। इस मौके पर आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, बेटी-बचाओ जागरूकता गीत एवं नृत्य की प्रस्तुतियां दी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सौरभ सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर देशव्यापी अभियान बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान दस वर्ष पूर्ण कर रहा है। जिले के सभी परियोजना और आंगनवाडी केन्द्रों में 24 जनवरी को समारोहपूर्वक राष्ट्रीय बालिका दिवस के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। डीपीसी विष्णु त्रिपाठी ने बताया कि जिला शिक्षा केन्द्र सतना के अंतर्गत एस डब्ल्यू सी एन दिव्यांग बालिका आवासीय विद्यालय सिविल लाइंस में बहु दिव्यांग 2, मानसिक मंद दिव्यांग 5, मूक बाधित 24 और दृष्टिबाधित 19 मिलाकर कुल 50 दिव्यांग बालिकायें अध्ययनरत है। कलेक्टर ने दिव्यांग आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर उन्हें मिल रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस मौके पर नेहा चौधरी वर्मा, परियोजना अधिकारी अरूणेश तिवारी, अभय द्विवेदी, सहायक संचालक श्यामकिशोर द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।